



भारत-फिनलैंड के बीच फ्री ट्रेड एग्रीमेंट अगले साल लागू होने की उम्मीद

फिनलैंड के राजदूत ने कहा अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा बनाए रखने में भारत की अहम भूमिका

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत में फिनलैंड के नए राजदूत मिको किविकोस्की ने कहा कि भारत और फिनलैंड के बीच फ्री ट्रेड एग्रीमेंट अगले साल लागू हो जाएगा। उन्होंने कहा कि उम्मीद है कि इस समझौते पर इस साल के आखिर में हस्ताक्षर हो जाएंगे।

कार्यभार संभालने के बाद क्या बोले मिको किविकोस्की- राजदूत का कार्यभार संभालने के बाद पहली बार मिको मीडिया से मुखातिब हुए।

उन्होंने कहा कि फ्री ट्रेड एग्रीमेंट लागू होने का मतलब होगा कि इससे करीब 2 अरब लोगों का बाजार तैयार होगा- भारत में 1.5 अरब और यूरोप में 50 करोड़ लोग। यह बहुत बड़ा बाजार होगा।

इस एग्रीमेंट पर भी चल रही बातचीत- उन्होंने कहा कि मुक्त व्यापार समझौते के अलावा, यूरोपीय



संघ और भारत के बीच इनवेस्टमेंट प्रोटेक्शन एग्रीमेंट पर भी बातचीत चल रही है। जब इन दोनों को साथ देखें, तो हम मूल रूप से यूरोपीय संघ और भारत के बीच एक तरह के साझा इकॉनॉमिक स्पेस की बात कर रहे हैं।

दोनों दिशाओं में होंगे व्यापार और निवेश- उन्होंने कहा कि व्यापार और निवेश दोनों दिशाओं में होंगे। फिनलैंड के राजदूत ने कहा कि आज हम जिस दौर में रह रहे हैं, उसमें यह अहम है कि हमारे भरोसेमंद साझेदार हों। इस मामले में यूरोपीय संघ और भारत एक-दूसरे को भरोसेमंद साझेदार के रूप में देखते हैं।

भारत से कुशल कामगार आएंगे- फिनलैंड के राजदूत ने कहा कि फिनलैंड में 30 हजार से ज्यादा भारतीय स्थायी रूप से रह रहे हैं। इनमें करीब दो-तीन हजार छात्र हैं, जबकि बाकी लोग वहां स्थायी रूप से काम कर रहे हैं। इनमें बड़ी संख्या आईटी सेक्टर और इंजीनियरिंग के क्षेत्र में काम करने वालों की है। ये लोग वहां अच्छी तरह से घुले-मिले हैं और अच्छा काम कर रहे हैं।

अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा में भारत की अहम भूमिका

उन्होंने कहा कि हम यूक्रेन युद्ध के साथ-साथ दूसरे संघर्षों को लेकर भारत के साथ होने वाली द्विपक्षीय बातचीत को बहुत महत्व देते हैं। इनमें पश्चिम एशिया का संघर्ष भी शामिल है। हमें सुझान को नहीं भूलना चाहिए, जहां पहले से ही एक संघर्ष चल रहा है। उन्होंने कहा कि इन सभी संघर्षों को रोकने के लिए भारत जो भी प्रयास कर रहा है उसकी हम सराहना करते हैं। हम सभी चाहते हैं कि ये संघर्ष खत्म हों। इसलिए दुनिया में सबसे ज्यादा आबादी वाला देश होने के नाते, सबसे बड़ा लोकतंत्र होने के नाते और ग्लोबल साउथ की प्रमुख आवाजों में से एक होने के नाते, भारत अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

यूपी- राज्यसभा चुनाव के लिए भाजपा ने घोषित किए 8 उम्मीदवार

धर्मपाल सिंह और प्रियंका समेत अनुभवी नेताओं को दिया मौका

लखनऊ (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने उत्तर प्रदेश से आगामी राज्यसभा चुनावों के लिए अपने आठ उम्मीदवारों के नामों की घोषणा की है। पार्टी ने अनुभवी नेताओं और नए चेहरों के मिश्रण को प्राथमिकता दी है। यह सूची पार्टी की रणनीति का एक अहम हिस्सा मानी जा रही है।

धर्मपाल सिंह राधाकांत ओझा प्रकाश पाल विद्यासागर सोनकर गोपी कृष्ण पाण्डेय प्रियंका सिंह रावत राम प्रताप सिंह चौहान श्रुति गंगवार भाजपा की ओर से जारी सूची में सामाजिक समीकरणों का विशेष ध्यान रखा गया है। इसमें तीन अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी), दो अनुसूचित जाति (एससी) और तीन सामान्य वर्ग के उम्मीदवार शामिल हैं। कुल उम्मीदवारों में दो महिलाएं भी हैं। सामान्य वर्ग से दो ब्राह्मण और एक राजपूत उम्मीदवार को मौका मिला है। अन्य पिछड़ा वर्ग में एक लोधी, एक पाल और एक कुर्मी उम्मीदवार को प्रतिनिधित्व दिया गया है।



है।धर्मपाल सिंह लोधी बिरादरी से आते हैं। वह वर्तमान में योगी सरकार में कैबिनेट मंत्री हैं। प्रकाश पाल संगठन में क्षेत्रीय मंत्री के पद पर कार्यरत हैं। वह पाल बिरादरी से संबंध रखते हैं, जिसे ओबीसी समुदाय में गड़रिया बिरादरी माना जाता है। विद्यासागर सोनकर दलित बिरादरी से हैं। वह पार्टी के अहम पदों पर रह चुके हैं। सोनकर पूर्व विधान परिषद सदस्य (एमएलसी) और मछलीशहर से पूर्व सांसद भी रहे हैं।

संक्षिप्त

समाचार

यूपी के स्कूलों में पढ़ाई जाए वैदिक मैथमेटिक्स

राजनाथ सिंह बोले- संस्कृत श्लोक के साथ कंप्यूटर कोड भी समझें विद्यार्थी



अयोध्या (एजेंसी)। अयोध्या में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सोमवार को रामलाल और हनुमानगढ़ी में दर्शन-पूजन किया। इसके बाद रामलाली स्थित उदासीन ऋषि आश्रम में गुरु पर्व समारोह में शामिल हुए। उन्होंने नारायण संस्कृत महाविद्यालय के नए भवन का लोकार्पण किया और संतो की समाधियों का पूजन किया। संबोधन में राजनाथ सिंह ने संस्कृत को देवभाषा और भारत की ज्ञान परंपरा का आधार बताते हुए शिक्षा को आधुनिक जरूरतों से जोड़ने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि भारत में ज्ञान को सिर्फ पुस्तकों तक सीमित नहीं रखा गया, बल्कि उसे परंपरा और संस्कार बनाया गया। आने वाली पीढ़ी अतीत से शक्ति लेकर भविष्य बनाए। ऐसे विद्यार्थी तैयार हों, जो संस्कृत के श्लोक के साथ कंप्यूटर कोड भी समझें। वैदिक मैथमेटिक्स की पढ़ाई शुरू की जाए- राजनाथ सिंह ने कहा कि लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स में वैदिक मैथमेटिक्स पढ़ाई जाती है। मैं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से उत्तर प्रदेश के विद्यालयों में भी वैदिक मैथमेटिक्स की पढ़ाई शुरू कराने की बात रखूंगा।

स्मित मच्छार को मिला मोरारी बापू का हनुमान प्रसाद संत ने दिए 21 लाख रुपये, दोनों बजरंग बली के भक्त

अहमदाबाद (एजेंसी)। पलाईदुर्बई के हीरो कैप्टन स्मित मच्छार ने प्रसिद्ध रामकथाकार मोरारी बापू ने 21 लाख देने का ऐलान किया है। मूलरूप से गुजरात के रहने वाले स्मित मच्छार ने 2 अक्टूबर को पलाईदुर्बई कैप्टन स्मित मच्छार ने दुर्बई से तेल अवीव जा रही पलाईदुर्बई की उड़ान के दौरान कॉकपिट में हुए जानलेवा हमले और संकट के समय अदम्य साहस का परिचय देते विमान को सुरक्षित



बचाने में अहम भूमिका निभाई थी। इससे 180 यात्रियों की जान बची थी। बाद में पीएम मोदी से बातचीत में स्मित मच्छार ने कहा था कि वह संकट के वक्त पर हनुमान वालीसा का पाठ कर रहे थे। हनुमान को अराध्य के दौर पूजने वाले मोरारी बापू ने गुजरात के सूपत स्मित मच्छार को 21 लाख रुपये बतौर हनुमान प्रसाद के दौरे पर देने का ऐलान किया है। बजरंग बली को किया था याद- स्मित मच्छार के शौर्य की चर्चा पूरे देश और दुनिया में हो रही है। स्मित मच्छार ने बड़ी आतंकी साजिश को नकाम करने के बाद जब पीएम मोदी से बातचीत की थी तो उन्होंने बताया था कि वह गोस्वामी तुलसीदास रचित श्री हनुमान वालीसा का पाठ कर रहे थे।

यूनेस्को की रिपोर्ट

नईदिल्ली (एजेंसी)। यूनेस्को की रिपोर्ट बताती है कि 2030 तक दुनिया को 4.4 करोड़ और प्राइमरी और सेकेंडरी शिक्षकों की जरूरत होगी। इनमें से लगभग 1.5 करोड़ शिक्षकों की जरूरत अफ्रीका में है, जबकि दक्षिण एशिया (जिसमें भारत भी शामिल है।) में रिपोर्ट 78 लाख शिक्षकों की कमी दर्शाती है।

दुनियाभर में 5 अक्टूबर को हर साल विश्व शिक्षक दिवस मनाया जाता है। यह दिन शिक्षकों के योगदान और सम्मान का प्रतीक है, जो शिक्षा क्षेत्र में सुधार लाते हैं और बेहतर भविष्य तैयार करते हैं। इसे वर्ल्ड टीचर्स डे इसलिए कहा जाता है, क्योंकि इसे सेलिब्रेट करने की शुरुआत साल 1994 में यूनेस्को द्वारा की गई थी। इस मौके पर भारत में शिक्षकों की संख्या पर भी चर्चा होती है।

विश्व शिक्षक दिवस पर जहां गुरुओं के योगदान की सरहना और उनके योगदान को सम्मान देने का मौका मिलता है। वहीं दुनियाभर में शिक्षकों की कमी के आंकड़े सोचने पर मजबूर करते हैं।

भारत में 11 लाख शिक्षक पद खाली सिंगल टीचर के भरोसे 1 लाख स्कूल

भारत में 11 लाख से अधिक शिक्षक पद खाली- अगर सिर्फ भारत में शिक्षकों की कमी की बात की जाए, तो यूनेस्को की रिपोर्ट बताती है कि भारत के स्कूलों में 11 लाख से अधिक (11.16 लाख) शिक्षकों की कमी है। कुल स्वीकृत खाली पदों में से 69 प्रतिशत रिक्तियां ग्रामीण इलाकों के स्कूलों में पाई गई हैं। केंद्रीय विद्यालयों में करीब साढ़े 8 हजार और नोवदय विद्यालयों में 24.8 प्रतिशत पद



खाली हैं। जिन राज्यों में शिक्षकों की सबसे ज्यादा कमी है, उनमें उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, बिहार, राजस्थान और कर्नाटक शामिल हैं। हालांकि यह तब है जब साल दर साल शिक्षकों की संख्या में इजाफा भी हुआ है।

साल	शिक्षकों की संख्या
2022-23	94,83,294
2023-24	98,07,600
2024-25	1,01,22,420
2025-26	1,02,73,020

सिंगल टीचर के भरोसे चल रहे 1 लाख से ज्यादा स्कूल

यूडीआईएस+ 2025-26 के अनुसार, भारत में सभी तरह के स्कूल मैनेजमेंट के तहत 1,00,843 ऐसे स्कूल थे जिनमें सिर्फ एक टीचर था। यह संख्या पिछले साल के मुकाबले लगभग 3 प्रतिशत कम हुई है, लेकिन फिर भी यह देश की स्कूली शिक्षा व्यवस्था की एक अहम बात बनी हुई है। राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में, 2025-26 में आंध्र प्रदेश में सबसे ज्यादा 16,357 एक-टीचर वाले स्कूल थे। इसके बाद झारखंड (9,827), महाराष्ट्र (9,269), कर्नाटक (8,042), उत्तर प्रदेश (7,874), राजस्थान (7,200) और पश्चिम बंगाल (6,769) का नंबर आता है।

दिमागी कोशिकाओं को कंट्रोल करने की तकनीक पर मेडिसिन नोबेल

जर्मनी-अमेरिका के 3 वैज्ञानिकों की रिसर्च, अब डिप्रेशन और मानसिक बीमारियों को समझना आसान हुआ



स्टॉकहोम (एजेंसी)। 2026 का मेडिसिन नोबेल जर्मनी के पीटर हेगमैन और जॉर्ज नागेल और अमेरिका के कार्ल डाइसेरोथ को दिया गया है। इन वैज्ञानिकों ने ऑप्टोजेनेटिक्स नाम की ऐसी तकनीक विकसित करने में मदद की, जिससे रोशनी की मदद से दिमाग की अलग-अलग तंत्रिका कोशिकाओं को नियंत्रित करके उनके काम को समझा जा सकता है।

पहले वैज्ञानिकों के लिए यह पता लगाना मुश्किल था कि दिमाग की कौन-सी तंत्रिका कोशिका किस काम के लिए जिम्मेदार है। ऑप्टोजेनेटिक्स की मदद से अब वैज्ञानिक याददाश्त, भावनाओं और व्यवहार को बेहतर तरीके से समझ पा रहे हैं। इससे डिप्रेशन जैसी मानसिक बीमारियों और दिमाग से जुड़ी दूसरी बीमारियों पर रिसर्च करना भी आसान हुआ है। नोबेल कमेटी के मुताबिक, इन तीनों वैज्ञानिकों की खोज ने दिमाग को समझने के लिए रिसर्च का एक नया रास्ता खोल दिया है। इस तकनीक का इस्तेमाल आंखों की बीमारियों पर भी किया जा रहा है। वैज्ञानिक यह पता लगा रहे हैं कि इसकी मदद से दृष्टि खो चुके लोगों की आंखों की रोशनी वापस लाई जा सकती है या नहीं।

एसआईआर के लिए बदले गए फार्म-6 को सुप्रीम कोर्ट ने मंजूरी नहीं दी

सीजेआई सूर्यकांत बोले- रिकॉर्ड देखेंगे किसने किया संशोधन

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को निर्बाध करने का अंतरिम आदेश देने से इनकार कर दिया। उन पर एसआईआर से जुड़े करीब 14 फैसले दो अन्य चुनाव आयुक्तों को संहमति के बिना लेने का आरोप है। सुप्रीम कोर्ट ने इन आरोपों पर चुनाव आयोग से जवाब मांगा है। कोर्ट ने कहा कि अगर फैसले बिना सहमति के लिए पाए गए, तो उन्हें वापस लिया जा सकता है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा, 'फार्म-6 के किसी भी संशोधन को हमने मंजूरी नहीं दी है। हम यह देखेंगे कि इसमें किसने बदलाव किया।' दरअसल, 9 दिन पहले चुनाव आयोग ने कहा था कि फार्म 6 में कोई बदलाव नहीं हुआ है। अतिरिक्त डिक्लरेशन एसआईआर के दौरान अलग से लगाया गया था। इसे सुप्रीम कोर्ट से मंजूरी मिली है।



सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग, केंद्र, सीईसी को नोटिस भेजा- सीजेआई सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस वी. मोहना की बेंच ने याचिका पर केंद्र सरकार, चुनाव आयोग, सीईसी ज्ञानेश कुमार, चुनाव आयुक्त डॉ. सुखबीर सिंह संभू और डॉ. विवेक जोशी, डिप्टी इलेक्शन कमिश्नर मनीष गर्ग और डीजी सीमा खन्ना को नोटिस जारी किया और 4 हफ्ते में जवाब मांगा।

रात 10 बजे के बाद क्यों बढ़ता है डर? महिला सुरक्षा पर सुप्रीम कोर्ट सख्त, पुलिस को दिखाया आईना

दिल्ली में महिलाओं की सुरक्षा को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को सख्त रुख अपनाया। अदालत ने केंद्र सरकार और दिल्ली पुलिस से कहा कि राजधानी में ऐसी व्यवस्था होनी चाहिए कि हर महिला सार्वजनिक जगहों और सार्वजनिक परिवहन का इस्तेमाल करते समय खुद को सुरक्षित महसूस करे। जस्टिस जेबी पारदीवाला की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा, हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि एनसीटी दिल्ली में हर महिला सुरक्षित महसूस करे, चाहे वह रात 10 बजे पैदल चल रही हो या मेट्रो और सड़क के रास्ते सफर कर रही हो। सुप्रीम कोर्ट दिल्ली-एनसीटीआर में हाल में सामने आए दुर्घटना और यौन उत्पीड़न के मामलों को लेकर स्वतः संज्ञान से शुरू की गई सुनवाई कर रहा है।

दिल्ली-एनसीटीआर में लगातार सामने आ रहे मामले- सुप्रीम कोर्ट ने 28 सितंबर को दिल्ली-एनसीटीआर में महिलाओं और नाबालिगों से जुड़े कई मामलों का स्वतः संज्ञान लिया था। इनमें कालकाजी के आस्था कुंज पार्क में 17 साल की किशोरी से कथित सामूहिक दुर्घटना, स्वरूप नगर में एक नाबालिग से कथित गैंगरेप और ग्रेटर नोएडा से दिल्ली आ रही बस में 16 साल की लड़की के कथित यौन उत्पीड़न का मामला शामिल था।

बिहार दरोगा परीक्षा भर्ती को लेकर पटना में प्रदर्शन

बैरिकेड तोड़ी, पुलिस ने भांजीं लाठियां



गए। कुल मिलाकर प्रदर्शन के पुलिस के लिए असहज स्थिति कारण एक बार फिर पटना में दिखी।

1799 पदों की भर्ती में मेंस परीक्षा रद्द करने का विरोध

प्रदर्शन कर रहे अभ्यर्थी 1799 पदों पर होने वाली दरोगा भर्ती की रद्द की गई मेंस परीक्षा को लेकर नाराज हैं। अभ्यर्थियों का कहना है कि काफी मेहनत के बाद उन्होंने प्रारंभिक प्रक्रिया पूरी की और मेंस परीक्षा में सफल हुए। करीब 10 हजार अभ्यर्थियों का परिणाम जारी किया गया था। अब मेंस परीक्षा रद्द किए जाने से उनका भविष्य अधर में पड़ गया है। अभ्यर्थियों का आरोप है कि कुछ शिक्षा माफिया और छात्र नेताओं की शिकायतों के आधार पर बिहार पुलिस अवर सेवा आयोग ने मेंस परीक्षा रद्द करने का फैसला लिया है। उनका कहना है कि अगर परीक्षा में किसी स्तर पर गड़बड़ी हुई थी तो उसकी जांच कर दोषियों पर कार्रवाई होनी चाहिए थी। पूरी परीक्षा रद्द करने का फैसला अभ्यर्थियों के साथ अन्याय है।

सीईसी, एसआईआर और बैलेट पेपर पर

कांग्रेस अध्यक्ष ने याद दिलाई तीन शर्तें, सरकार से कहा- इससे कम पर समझौता नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने सोमवार को चुनावी ढांचे को लेकर पार्टी की ओर से तीन मुख्य मांगें रखीं। उन्होंने कहा कि यह मांग ऐसी हैं जिन पर कोई समझौता नहीं हो सकता है।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा, पार्टी कार्यकर्ता और इंडिया गठबंधन के सहयोगियों के साथ मिलकर इन मांगों के समर्थन में देश भर में विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं। खरगे ने लिखा, कांग्रेस पार्टी की तीन मांगें ऐसी हैं जिन पर कोई समझौता नहीं हो सकता। पहली, ज्ञानेश कुमार का इस्तीफा, दूसरी, एसआईआर को रद्द करना, तीसरी, बैलेट पेपर से चुनाव कराना। इन तीन मुद्दों को लेकर देश भर में कांग्रेस कार्यकर्ता और इंडिया गठबंधन के सहयोगी सड़कों पर हैं। देश भर में अलग-अलग जगहों पर जो भी नागरिक समाज के सदस्य और युवा संगठन इन मुद्दों पर संघर्ष कर रहे हैं, हम उनके साथ खड़े हैं।



संपादकीय

उत्तराखंड से खास लगाव

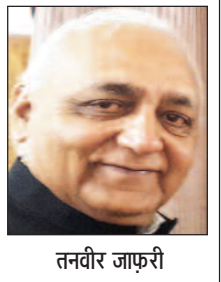
केदारनाथ धाम के कपाट बंद होने के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संभावित उत्तराखंड दौरे की चर्चाएं एक बार फिर देवभूमि को राष्ट्रीय विमर्श के केंद्र में ला रही हैं। यह केवल किसी प्रधानमंत्री का धार्मिक स्थल पर आगमन नहीं है, बल्कि उस विशेष संबंध की अभिव्यक्ति भी है जो नरेंद्र मोदी और उत्तराखंड, विशेषकर केदारनाथ धाम, के बीच वर्षों से दिखाई देता रहा है।

भारतीय राजनीति में ऐसे बहुत कम उदाहरण मिलते हैं जहां किसी नेता का किसी धार्मिक स्थल से जुड़ाव केवल औपचारिक न होकर व्यक्तिगत आस्था का विषय भी बन गया हो। नरेंद्र मोदी के लिए केदारनाथ धाम ऐसा ही एक स्थल प्रतीत होता है। हिमालय की गोद में स्थित यह धाम कई बार उनके सार्वजनिक जीवन की महत्वपूर्ण तस्वीरों और संदेशों का केंद्र बना है। ध्यान साधना से लेकर पुनर्निर्माण कार्यों के निरीक्षण तक, केदारनाथ ने प्रधानमंत्री मोदी की राजनीतिक और आध्यात्मिक दोनों यात्राओं को एक अलग पहचान दी है। उत्तराखंड के प्रति लगाव का वास्तविक अर्थ केवल धार्मिक यात्राओं तक सीमित नहीं होना चाहिए। यह प्रदेश आज भी अनेक चुनौतियों से जूझ रहा है। पर्वतीय क्षेत्रों से लगातार पलायन हो रहा है, युवाओं के लिए रोजगार के अवसर सीमित हैं, स्वास्थ्य सुविधाएं कई दूरस्थ इलाकों तक नहीं पहुंच पाई हैं और हर वर्ष आने वाली प्राकृतिक आपदाएं विकास की रफ्तार को चुनौती देती हैं।प्रधानमंत्री मोदी के दौरेों का एक सकारात्मक पक्ष यह भी है कि उन्होंने उत्तराखंड को वैश्विक स्तर पर पहचान दिलाने में भूमिका निभाई है। चारधाम यात्रा में बढ़ती श्रद्धालुओं की संख्या, धार्मिक पर्यटन का विस्तार और स्थानीय अर्थव्यवस्था में आई सज्जता इसके उदाहरण हैं।होटल, परिवहन, हस्तशिल्प और छोटे व्यवसायों को इससे लाभ मिला है। हालांकि इसके साथ पर्यावरण संरक्षण की जिम्मेदारी भी बढ़ी है। हिमालय की संवेदनशीलता को देखते हुए विकास और संरक्षण के बीच संतुलन बनाए रखना समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। नरेंद्र मोदी और उत्तराखंड के संबंधों की चर्चा अक्सर आध्यात्मिक दृष्टि से की जाती है। किंतु किसी भी प्रदेश के प्रति सच्चा लगाव तभी सिद्ध होता है जब वहां के लोगों के जीवन स्तर में सकारात्मक बदलाव दिखाई दे। केदारनाथ की घंटियों की गुंज, हिमालय की शांत वादियां और करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था निश्चित रूप से इस संबंध को विशेष बनाती हैं, लेकिन उत्तराखंड के युवाओं की उम्मीदें, गांवों की चुनौतियां और विकास की आवश्यकताएं भी उसी ही महत्वपूर्ण हैं।

चितन-मनन

क्या है शुद्ध अहिंसा!

गांधी जी ने अपने जीवन में अहिंसा के विविध प्रयोग किए। वे एक वैज्ञानिक थे। उनका जीवन प्रयोगशाला था। उनका प्रारंभिक और अंतिम साहित्य देखने से यह तथ्य भलीभांति स्पष्ट हो जाता है। बड़े जीव की सुरक्षा के लिए छोटे जीव को मारने में वे पाप बताते थे। खती को हानि पहुंचाने वाले बंदर, हिरण तथा अन्य जहरीले जानवरों को मारने में भी वे पाप मानते थे। यद्यपि आवश्यकतावश उन्होंने जीवों को मारने की इजाजत भी दी, पर उसे शुद्ध अहिंसा कभी नहीं माना। भरे सामने भी ऐसे प्रश्न आते हैं कि बिल्ली चूहे को मारती है तो उसे बचाना अहिंसा है या नहीं? मैं कहता हूं कि बचाना या बिल्ली को भगाना आपका काम है। मैं इसमें हस्तक्षेप नहीं करता, किंतु इसे शुद्ध अहिंसा नहीं माना जा सकता। शुद्ध अहिंसा यही है जहां हिंसक का दिल बदले। बिल्ली से आप चूहे को बचा सकेगे, किंतु उसे अहिंसक नहीं बना सकते। बूचड़खाने में पैसा देकर आप जानवरों को बचा सकते हैं, किंतु ऐसा करके आप कसाई को अहिंसक नहीं बना सकते।...



तनवीर जाफ़री

पंजाब राज्य का भारतीय कृषि उत्पादन और देश की खाद्य सुरक्षा में सबसे अहम योगदान है। भारत के कुल भौगोलिक क्षेत्र का मात्र 1.5% हिस्सा होने के बावजूद, पंजाब को भारत का अन्न भंडार और भारत की खाद्य टोकरी कहा जाता है। भारत सरकार द्वारा खरीदे जाने वाले कुल गेहूं का लगभग 46% हिस्सा



योगेश कुमार गोयल

एसआईआर, फॉर्म-6 और सवालनों के घेरे में चुनावी विश्वास... मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर 2, 3 और 4 अक्टूबर को दिल्ली में हुए प्रदर्शनों, बड़ी संख्या में लोगों की हिरासत, भारी सुरक्षा व्यवस्था और केंद्रीय दिल्ली के कई मार्गों तथा मेट्रो स्टेशनों पर लगाए गए प्रतिबंधों ने चुनावी संस्थाओं को लेकर चल रही बहस को और तीखा कर दिया है। दिल्ली पुलिस ने प्रस्तावित प्रदर्शन की अनुमति नहीं दी थी और सुरक्षा कारणों से 11 मेट्रो स्टेशनों के प्रवेश-निकास अस्थायी रूप से बंद किए गए थे। जंतर-मंतर लोकतंत्र की उस सार्वजनिक जगह का नाम है, जहां सत्ता से असहमति दर्ज कराने के लिए देश के विभिन्न हिस्सों से नागरिक या संगठन आते हैं। इसलिए वहां उठी आवाज को केवल भीड़, राजनीतिक प्रदर्शन या कानून-व्यवस्था की समस्या मान लेना लोकतांत्रिक विमर्श को छेदा करना होगा। मतदाता-सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर में बड़ी संख्या में मतदाताओं के नाम प्रभावित हुए हैं और इससे चुनावी प्रक्रिया की पारदर्शिता पर गंभीर सवाल खड़े हुए हैं। हालांकि निर्वाचन आयोग का कहना है कि एसआईआर का उद्देश्य मतदाता-सूचियों को शुद्ध और अद्यतन करना है तथा गलत तरीके से छूट गए पात्र मतदाताओं को फिर शामिल करने के लिए विशेष अभियान भी शुरू किया गया है। आयोग ने अब 20 राश्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में ऐसे पात्र मतदाताओं की पहचान और पुनः नामांकन के लिए विशेष अभियान की घोषणा की है। यही वह बिंदु है, जहां राजनीतिक आरोपों और संस्थागत तथ्यों को गहराई

नशे में उड़ता पंजाब: बद अच्छा बदनाम बुरा

अकेले पंजाब से आता है। केंद्रीय पूल में जमा होने वाले कुल चावल के सरकारी उपार्जन में भी पंजाब का लगभग 31% योगदान है। देश के कुल खाद्यान्न उत्पादन में पंजाब 13 से 14 प्रतिशत का योगदान देता है। गेहूं उत्पादन का लगभग 14% से 22% हिस्सा पंजाब में उगता है, जो इसे देश के शीर्ष उत्पादकों में बनाए रखता है। इसी तरह पंजाब देश के चावल उत्पादन का लगभग 10% से 11% हिस्सा पैदा करता है। भारत के कुल दूध उत्पादन में भी पंजाब लगभग 6.2% से 10% का योगदान देता है। इसी तरह देश के शहद उत्पादन में भी पंजाब का योगदान करीब 20% और मशरूम उत्पादन में रिकॉर्ड 48% है। पंजाब की यह सफलता उसकी फसल सघनता के कारण है, जो 186% से भी अधिक है। राज्य का लगभग 82% से 87% भूभाग खेती के अंतर्गत आता है, जबकि राष्ट्रीय औसत केवल 40% है। यही कारण है कि प्रति हेक्टेयर उत्पादन के मामले में पंजाब के किसान देश में अग्रणी बने हुए हैं और देश की भुखमरी

मतदाता सूची से जंतर-मंतर तक: लोकतंत्र के भरोसे की अग्निपरीक्षा

से देखना आवश्यक है। जब मतदाता-सूची जैसी लोकतंत्र की बुनियादी व्यवस्था पर व्यापक संदेह पैदा हों तो निर्वाचन आयोग पर केवल यह कहकर आगे नहीं बढ़ा जा सकता कि वह संवैधानिक संस्था है, इसलिए उस पर विश्वास किया जाए। संवैधानिक संस्था की प्रतिष्ठा अधिकार से नहीं, पारदर्शिता और उत्तरदायित्व से मजबूत होती है। वर्तमान विवाद का सबसे ठोस और जांच योग्य पहलू फॉर्म-6 से जुड़ा है। फॉर्म-6 मतदाता सूची में नाम शामिल कराने का निर्धारित आवेदन है। विवाद तब उठा, जब एसआईआर से संबंधित एक अतिरिक्त घोषणा ऑनलाइन फॉर्म-6 में जोड़े जाने पर आयोग के भीतर ही दोनों चुनाव आयुक्तों की आपत्तियां सामने आईं। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, चुनाव आयुक्त सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी ने इस बदलाव की वैधानिक प्रक्रिया पर सवाल उठाए, जिसके बाद आयोग ने 30 सितंबर को उन राश्यों में, जहां एसआईआर पूरा हो चुका है, ऑनलाइन फॉर्म-6 से यह अतिरिक्त घोषणा हटा दी। यहां सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न यह नहीं है कि घोषणा-पत्र हटाया गया या नहीं बल्कि यह है कि उसे जोड़ा किस अधिकार के तहत गया, किस स्तर पर स्वीकृति मिली, उसका तकनीकी क्रियान्वयन किस आदेश पर हुआ और बाद में उसे हटाने का निर्णय किस प्रक्रिया से लिया गया? इन प्रश्नों के स्पष्ट उत्तर सार्वजनिक होने चाहिए। इस प्रकरण को राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप से आगे ले जाने की जरूरत है। यदि कोई अतिरिक्त घोषणा वैधानिक रूप से आवश्यक नहीं थी तो उसके कारण किसी पात्र नागरिक को आवेदन प्रक्रिया में कठिनाई हुई या उसका नाम मतदाता सूची में शामिल नहीं हो सका तो इसकी पहचान और सुधार जरूरी है। निर्वाचन आयोग ने अब पात्र लेकिन छूटे मतदाताओं को फिर जोड़ने के लिए विशेष अभियान की बात कही है लेकिन प्रश्न यही है कि इस प्रक्रिया के परिणाम सार्वजनिक रूप से कितने और किस तरह बताए जाएंगे। मतदाता सूची केवल सरकारी रिकॉर्ड नहीं होती, वही लोकतांत्रिक प्रतिनिधित्व का आधार बनती है। इसलिए 'कितने नाम हटे' से अधिक महत्वपूर्ण प्रश्न है कि कितने पात्र मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से गलत तरीके से हटे, कितने वापस जोड़े गए, कितने मामलों में आपति

मिटाने में सबसे आगे खड़े हैं। परन्तु दुर्भाग्यवश कृषि उत्पादन से लेकर लंगर चलाने व जरूरतमंदों की मदद के लिये अग्रणी रहने वाले इस राज्य को विगत कुछ वर्षों से मात्र नशे को लेकर बदनाम करने की बड़ी साजिश रची जा रही है। चूँकि पंजाब की 17 वीं विधानसभा चुनाव फरवरी 2027 में कराए जाने की पूरी संभावना इसीलिये चुनाव पूर्व विभिन्न राजनैतिक दल पंजाब में कथित तौर पर व्याप्त नशे की समस्या को एक प्रमुख राजनैतिक मुद्दा बना रहे हैं। मिसाल के तौर पर भारतीय जनता पार्टी ने हाल ही में राज्य की सभी 117 विधानसभा सीटों पर 13 दिवसीय नशा मुक्त पंजाब यात्रा निकाली और नशे को ही राज्य का अपना मुख्य चुनौती एजेंडा घोषित किया। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने पिछले दिनों जालंधर में यह घोषणा की, कि यदि पंजाब में भाजपा की सरकार बनती है, तो 31 दिसंबर 2029 तक पंजाब को पूरी तरह से नशे के कारीबार से मुक्त कर दिया जाएगा। उन्होंने राज्य की भगवत मान सरकार को

आपदा सरकार करार देते हुये यह आरोप लगाया कि आम आदमी पार्टी ने राज्य में सिंथेटिक ड्रग्स के अवैध कारोबार को खुलेआम फलने-फूलने दिया है। जबकि आप नेताओं का कहना है कि केंद्र सरकार पंजाब को बदनाम कर रही है। आप नेताओं ने गुजरात जैसे राज्यों के बंदरगाहों पर पकड़े जाने वाले भारी मात्रा में नशीले पदार्थों का हवाला देते हुए केंद्र की सीमा सुरक्षा की विफलता पर सवाल उठाए हैं। केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने वादा किया है कि सत्ता में आने के 6 महीने के भीतर पंजाब के पूरे ड्रग नेटवर्क को ध्वस्त कर दिया जाएगा और नशे के व्यापारियों को जेल भेजा जाएगा। पंजाब में कथित तौर पर फैले नशा नेटवर्क को लेकर बनाई गई फिल्म उड़ता पंजाब ने और भी इस विषय को प्रमुखता से कुछ इसतरह प्रचारित कर दिया गया देश का कृषि प्रमुख व भारतीय अर्थव्यवस्था में कृषि के माध्यम से अपना अतुलनीय योगदान देने वाला देश का यही इकलौता राज्य है जो नशे में डूबा हुआ है।

असहमति लोकतंत्र का अभिन्न हिस्सा है। इसलिए आवश्यकता इस बात की है कि प्रतिबंध सुरक्षा की वास्तविक जरूरत के अनुपात में हों और उनका उद्देश्य नागरिकों की लोकतांत्रिक आवाज को दबाना प्रतीत न हो। अब समय है कि इस पूरे विवाद को 'सत्ता बनाम विपक्ष' की संकीर्ण चौखट से बाहर निकाला जाए। चुनाव आयोग किसी सरकार का नहीं, मतदाता का आयोग है। मतदाता सूची किसी दल की संपत्ति नहीं, नागरिक के मताधिकार का आधार है और चुनाव का परिणाम किसी राजनीतिक दल की निजी उपलब्धि नहीं, संवैधानिक प्रक्रिया से मिली सार्वजनिक वैधता है। इसलिए फॉर्म-6 के विवाद से लेकर एसआईआर के आंकड़ों तक, हर प्रश्न का दस्तावेजी उत्तर सामने आना ही चाहिए। जिन मतदाताओं के नाम प्रक्रिया में छूटे हैं, उनकी पहचान और पुनर्स्थापना की समयबद्ध व्यवस्था होनी चाहिए। सॉफ्टवेयर में हुए बदलावों की जिम्मेदारी स्पष्ट होनी चाहिए। आयोग के भीतर दर्ज असहमतियों का तथ्यात्मक स्पष्टीकरण होना चाहिए। जहां मामला न्यायालय में है, वहां अंतिम निर्णय तक संस्थागत पारदर्शिता बनी रहनी चाहिए। लोकतंत्र को सबसे बड़ा खतरा आलोचना से नहीं, अविश्वास से होता है। आलोचना का उत्तर तर्क से दिया जा सकता है लेकिन अविश्वास को केवल पारदर्शिता ही दूर कर सकती है। जंतर-मंतर और मुम्बई से उठ रही आवाज का सबसे महत्वपूर्ण संदेश यही है कि केवल चुनाव जीतना पर्याप्त नहीं, चुनावी प्रक्रिया पर जनता का विश्वास कायम रहना भी उसना ही जरूरी है। यदि इस विश्वास में दरार पड़ रही है तो उसका इलाज प्रदर्शनकारियों को रोकना नहीं, उन सवालों का सार्वजनिक और संवैधानिक समाधान करना है, जिनके कारण वे सड़क पर उतरने को मजबूर हो रहे हैं। लोकतंत्र की असली परीक्षा यह नहीं कि सरकार कितनी बड़ी भीड़ को रोक सकती है बल्कि यह है कि वह कितने कठिन सवालों का जवाब देने के लिए तैयार है। चुनाव आयोग की विश्वसनीयता केवल ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे से बहाल नहीं होगी बल्कि ऐसी पारदर्शी व्यवस्था से सुनिश्चित होगी, जिस पर हारने वाला भी भरोसा कर सके और जीतने वाला भी।

भारत में आर्थिक विकास की गति तेज रहने के बावजूद क्यों गिर रहा है शेयर बाजार

हाल ही के समय में भारत के शेयर बाजार में लगातार तेज गिरावट दर्ज हुई है, इससे देश में इस तरह का माहौल बनाने का प्रयास किया जा रहा है कि भारतीय अर्थव्यवस्था पर भारी संकट आने वाला है और भारतीय नागरिकों पर इसका अत्यधिक कष्टकारी असर पड़ने वाला है। यह आंकलन किसी भी प्रकार से उचित नहीं कहा जा सकता है क्योंकि शेयर बाजार में गिरावट विदेशी संस्थागत निवेशकों के मन में बैठ रहे डर के आधार पर देखी जा रही है, जबकि भारतीय संस्थागत निवेशक तो लगातार अपना निवेश भारतीय शेयर बाजार में बढ़ा रहे हैं एवं म्यूचुअल फंडस द्वारा प्रति माह 30,000 करोड़ रुपये से अधिक की राशि का लगातार निवेश शेयर बाजार हो रहा है। यह सही है कि भारतीय शेयर बाजार का सेन्सेक्स 1 अक्टूबर 2025 के 80,983 बिंदुओं के स्तर से 1 अक्टोबर 2026 को 71,910 बिंदुओं के स्तर पर नीचे आ गया है। इसी प्रकार, निफ्टी इंडेक्स भी 1 अक्टूबर 2025 के 24,836 बंदुओं के स्तर से नीचे गिरकर 1 अक्टूबर 2026 को 22,422 बिंदुओं के स्तर पर आ गया है। पिछले एक वर्ष की अवधि में 10 से 11 प्रतिशत के बीच की गिरावट दर्ज हुई है। जबकि, इस बीच भारत में अर्थ के विभिन्न क्षेत्रों में आर्थिक विकास दर लगातार उच्च स्तर की बनी हुई है। फिर, ऐसे क्या कारण हैं कि भारतीय अर्थव्यवस्था का चमकता चेहरा होने के बावजूद, भारतीय शेयर बाजार लगातार गिरावट दर्ज कर रहा है। दरअसल किसी भी देश का शेयर बाजार, स्टॉक एक्सचेंज पर दर्ज कम्पनियों की आगे आने वाले वर्षों में होने वाली अनुमानित आय के आधार पर, घटता अथवा बढ़ता रहता है। दूसरे, आजकल जब समस्त देश एक तरह से आपस में जुड़ से गए हैं और हम एक वैश्विक गांव में निवास कर रहे हैं तब एक देश में होने वाली घटनाओं का प्रभाव दूसरे देश के शेयर बाजार पर भी पड़ता हुआ दिखाई देता है। जैसे, रूस-यूक्रेन युद्ध, इजराईल-हम्मस युद्ध, अमेरिका-ईरान युद्ध, सऊदी अरब-हूथी युद्ध एवं खाड़ी के देशों का आपसी युद्, आदि कुछ ऐसे उदाहरण हैं, जिनके चलते भारतीय शेयर बाजार भी सहमा हुआ दिखाई दे रहा है, हालांकि भारत किसी भी प्रकार से, अप्रत्यक्ष अथवा प्रत्यक्ष रूप से, इन युद्धों से नहीं जुड़ा है। तीसरे, विदेशी निवेशक भारी मात्रा में कुछ देशों के शेयर बाजार में अपनी पूंजी का निवेश करते हैं, क्योंकि उन्हें इन देशों में किए गए निवेश से अच्छे रिटर्न की सम्भावना दिखाई देती है। परंतु, जब इन विदेशी निवेशकों द्वारा अपना निवेश शेयर बाजार से निकाला जाता है तब उस देश का शेयर बाजार तेजी से गिरने लगता है।

उक्त वर्णित युद्धों के चलते अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल के दाम बहुत तेजी से बढ़ रहे हैं और यह 100 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल के स्तर को पार कर गए हैं, एक वर्ष पूर्व यह 65 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर थे, अर्थात इस एक वर्ष के दौरान कच्चे तेल की कीमतों में 50 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि दर्ज हुई है।



प्रतिशत से अधिक की वृद्धि दर्ज हुई है। भारत कच्चे तेल की कुल खपत का 90 प्रतिशत से अधिक हिस्सा आयात करता है, अतः भारत के उक्त युद्धों से किसी भी प्रकार से नहीं जुड़े होने के बावजूद, भारतीय अर्थव्यवस्था पर कुछ विपरीत प्रभाव पड़ सकता है, ऐसा माहौल बनाए जाने के चलते विदेशी संस्थागत निवेशक भारतीय शेयर बाजार से अपना निवेश भारी मात्रा में निकाल रहे हैं। हालांकि, कच्चे तेल की कीमतों में वृद्धि के बावजूद भारत में मुद्रा स्फीति की दर को नियंत्रण में बनाए रखने के प्रयास अभी तक तो सफल ही रहे हैं। फिर भी, केलेंडर वर्ष 2026 में अभी तक विदेशी संस्थागत निवेशकों ने भारतीय शेयर बाजार से 2.8 लाख करोड़ रुपए की भारी भरकम राशि निकाल ली है। सितम्बर 2024 तक के 24 माह में विदेशी निवेशकों ने भारतीय शेयर बाजार में 38,600 करोड़ अमेरिकी डॉलर का निवेश किया था जबकि सितम्बर 2026 तक के 24 माह में 56,300 करोड़ अमेरिकी डॉलर की निकासी की गई है। विदेशी संस्थागत निवेशक इतनी भारी मात्रा में अपना निवेश भारत से निकालकर अमेरिकी बांड्स, अमेरिका के शेयर बाजार, वियतनाम एवं दक्षिणी कोरिया के शेयर बाजार एवं चीन के शेयर बाजार में कर रहे हैं। क्योंकि, अमेरिका में ब्याज दरों (यूएस फेड दर) में वृद्धि के चलते, बांड्स की यील्ड पिछले लगभग 24-25 वर्षों के उच्चतम स्तर 5.60 प्रतिशत से ऊपर पहुंच गई है। साथ ही, अमेरिकी शेयर बाजार में अभी भी तेजी बनी हुई है क्योंकि वहां की कम्पनियों द्वारा उच्च तकनीकी के नवाचार करने के चलते उनकी उत्पादकता एवं लाभप्रदता में लगातार वृद्धि देखी जा रही है। इसी प्रकार, वियतनाम एवं दक्षिणी कोरिया में आरटीफिशियल इंटेलीजेंस के क्षेत्र की कम्पनियों में उच्च स्तर की लाभप्रदता दर्ज होने की सम्भावनाएं दिखाई दे रही है, इसलिए विदेशी निवेशक अमेरिका, वियतनाम एवं दक्षिणी कोरिया जैसे देशों की ओर आकर्षित हो रहे है एवं अपना निवेश इन देशों में बढ़ा रहे हैं। चीन का शेयर बाजार बहुत ही तेजी से नीचे गिरा था जिसके कारण वहां पर

कम्पनियों के शेयरों का (Price to Earning - PE Ratio) कीमत/आय रेशो भारतीय कंपनियों के कीमत/आय रेशो की तुलना में अत्यधिक आकर्षक हो गया है। चीन में औसतन यह रेशो 12 प्रतिशत के नीचे है जबकि भारत में यह रेशो औसतन 20 प्रतिशत से अधिक है। अतः विदेशी संस्थागत निवेशकों को भारतीय कम्पनियों के शेयर, चीनी कम्पनियों के शेयर की तुलना में महंगे दिखाई दे रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अमेरिकी डॉलर के लगातार मजबूत होने चलते भारतीय रुपया लगातार कमजोर हो रहा है, इस कारण से भी विदेशी संस्थागत निवेशक भारतीय शेयर बाजार से अपना निवेश निकाल रहे है। आज भारतीय रुपए की कीमत 96 रुपए प्रति अमेरिकी डॉलर के स्तर पर पहुंच गई है। साथ ही, डॉलर इंडेक्स जो 1 अक्टोबर 2025 को 97.71 के स्तर पर था वह 1 अक्टोबर 2026 को बढ़कर 101.80 के स्तर पर आ गया है। स्वर्ण की कीमतें भी 3,871 अमेरिकी डॉलर प्रति ओंस से बढ़कर 4,170 अमेरिकी डॉलर प्रति ओंस पर पहुंच गई है। भारत स्वर्ण का भारी मात्रा में (कुल खपत का 90 प्रतिशत से अधिक) आयात करता है, स्वर्ण के आयात का भुगतान अमेरिकी डॉलर में ही करना होता है, अतः भारतीय रुपए पर इससे अतिरिक्त दबाव बनता हुआ दिखाई दे रहा है। उक्त संदर्भों को यदि भारतीय अर्थव्यवस्था से जोड़कर देखा जाय तो स्थिति कुछ अलग ही दिखाई देती है। भारत में सकल घरेलू उत्पाद में वित्तीय वर्ष 2026-27 की प्रथम तिमाही में 7.8 प्रतिशत की आकर्षक वृद्धि दर्ज हुई है, जबकि वैश्विक स्तर पर यह वृद्धि केवल 3 प्रतिशत एवं तेजी से आर्थिक विकास कर रही अर्थव्यवस्थाओं में यह 3.8 प्रतिशत रहने की सम्भावना व्यक्त की गई है। जब भारत में आर्थिक विकास दर तुलनात्मक रूप से अधिक तेज गति से आगे बढ़ेगी तो भारतीय कम्पनियों की आय एवं लाभप्रदता में भी तेज गति से वृद्धि सम्भव होगी। इसी प्रकार, अगस्त 2026 माह में भारत की औद्योगिक विकास दर भी 8 प्रतिशत के स्तर पर पहुंच गई है जो कि अगस्त 2025

में 4.7 प्रतिशत के स्तर पर थी। विभिन्न उत्पादों के भारत से निर्यात अगस्त 2026 में 4,380 करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर को पार कर गए हैं जो अगस्त 2025 में 3,480 करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर पर थे। 15 सितम्बर 2026 को समाप्त पखवाड़े में समस्त बैंकों के ऋणों में 18.1 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई है जबकि पिछले वर्ष इसी अवधि में यह वृद्धि दर 10.4 प्रतिशत की रही थी। इसी प्रकार, बैंकों की जम्पाराशि में वृद्धि दर भी पिछले वर्ष की 9.5 प्रतिशत की तुलना में इस वर्ष 17.3 प्रतिशत की रही है। बैंकों का ऋण:जमा अनुपात लगभग 81 प्रतिशत के पास पहुंच गया है। यह आंकड़े दर्शाते हैं कि भारत में अर्थ के विभिन्न क्षेत्रों में अतुलनीय वृद्धि दर आंकी जा रही है। बैंकों की सकल गैर निष्पादनकारी आस्तियों में भी कमी दर्ज हुई है और यह जुलाई 2025 के 2.2 प्रतिशत की तुलना में जुलाई 2026 में घटकर 1.68 प्रतिशत के स्तर पर नीचे आ गई है। शुद्ध गैर निष्पादनकारी आस्तियां तो पिछले वर्ष के 0.5 प्रतिशत की तुलना में 0.4 प्रतिशत ही रही है। अर्थात, बैंकों द्वारा प्रदत्त किए जा रहे ऋणों की अदायगी समय पर हो रही है। भारतीय बैंकों का पूंजी पर्याप्तता अनुपात तो आज विकसित देशों की बैंकों से भी अधिक हो गया है, जो जुलाई 2025 के 17.5 प्रतिशत से बढ़कर जुलाई 2026 में 17.8 प्रतिशत के स्तर को पार कर गया है। इससे भारतीय बैंकों की मजबूत स्थिति झलकती है। उद्योगों द्वारा अपनी उत्पादन क्षमता का 75 प्रतिशत से अधिक उपयोग किया जा रहा है, यह ऐसी स्थिति है जब सम्बन्धित उद्योग को अपनी उत्पादन क्षमता में वृद्धि करने के बारे में विचार प्रारम्भ करना होता है। उक्त जानकारी की सत्यता की गवाही वस्तु एवं सेवा कर के संग्रहण में हो रही लगातार वृद्धि से भी ध्यान में आती है। सितम्बर 2026 माह में 14.5 प्रतिशत की वृद्धि के साथ वस्तु एवं सेवा कर का संग्रहण 2.04 लाख करोड़ से अधिक की राशि का रहा है और यह लगातार तीसरा महीना है जब यह संग्रहण 2 लाख करोड़ रुपए से अधिक का रहा है। भारत में सितम्बर 2026 माह के दौरान Unified Payments Interface (एकीकृत भुगतान अन्तरापृष्ठ) सिस्टम के अंतर्गत प्रतिदिन औसतन 80 करोड़ से अधिक के व्यवहार दर्ज हो रहे हैं, जो पूरे विश्व में किसी भी देश में सबसे अधिक व्यवहार हैं। अगस्त 2026 माह के दौरान उक्त व्यवहार 79 करोड़ के रहे थे और सितम्बर 2025 में 65 करोड़ से अधिक व्यवहार प्रतिदिन के रहे थे। कुल मिलाकर भारत में अर्थ के विभिन्न क्षेत्रों में दर्ज हो रही विकास दर की कहानी स्पष्ट तौर पर कह रही है कि भारत का भविष्य बहुत सुरक्षित है। और, यह झूठा विमर्श खड़ा किया जा रहा है कि भारतीय अर्थव्यवस्था पर भारी संकट आने वाला है और भारतीय नागरिकों पर इसका कष्टकारी प्रभाव पड़ने वाला है, पूर्णतः असत्य है। घबराहट में विदेशी संस्थागत निवेशकों द्वारा शेयर बाजार से निकाले जा रहे निवेश को आधार बनाकर उक्त झूठे विमर्श को खड़ा करने का प्रयास हो रहा है।

आरटीई के मुद्दे पर नगर निगम बोर्ड बैठक पर्यावरण संरक्षण के लिए जागरूकता जरूरी में हंगामा, पार्षदों ने अधिकारियों को घेरा



आयोजित बोर्ड बैठक में अपनी बात रखते पार्षद

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : नगर निगम की ओर से आयोजित बोर्ड बैठक में शिक्षा का अधिकार अधिनियम (आरटीई) का मुद्दा छाया रहा। जिसके चलते पार्षदों के बीच तीखी बहस भी हुई। इस दौरान पार्षदों ने बोर्ड को अपने क्षेत्र की मूलभूत समस्याओं से भी अवगत

करवाया।

सोमवार को महापौर शैलेंद्र सिंह रावत की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में पार्षद हिमांशु वर्मा ने गाड़ीघाट स्थित एक निजी विद्यालय में आरटीई के तहत एक ही समुदाय के पांच बच्चों को प्रवेश दिए जाने का मामला उठाया। उन्होंने कहा कि

आर्थिक रूप से कमजोर सभी वर्गों के बच्चों को आरटीई का समान रूप से लाभ मिलना चाहिए। इस पर पार्षद नईम अहमद, प्रवेन्द्र सिंह रावत और सूरज प्रसाद कांति ने आपत्ति जताई। इसी दौरान सदन में पक्ष-विपक्ष के बीच काफी देर तक तीखी बहस होती रही। मामला बढ़ता देख महापौर शैलेंद्र सिंह रावत ने हस्तक्षेप करते हुए कहा कि नगर निगम का सदन किसी राजनीतिक दल का मंच नहीं है। यह पार्षदों और जनता की समस्याओं पर चर्चा के लिए है।

उन्होंने सभी सदस्यों से सदन की गरिमा बनाए रखने की अपील की। इसके बाद मामला शांत हुआ। पार्षदों ने आरटीई में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए शिक्षा विभाग के अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए जाने की मांग की। बैठक में कई पार्षदों ने अधिकारियों की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए। उनका कहना था कि पिछली बोर्ड बैठक में जिन समस्याओं को प्रमुखता से उठाया गया था, उनमें से कई का अब तक समाधान नहीं हुआ है। इसके

कारण उन्हें वहीं मुद्दे दोबारा सदन में रखने पड़ रहे हैं। पार्षदों ने इसे विभागीय स्तर पर बरती जा रही लापरवाही और उदासीनता बताया।

निर्माण कार्यों की गुणवत्ता पर उठे सवाल

पार्षद अनिल रावत ने नगर क्षेत्र में चल रहे निर्माण कार्यों की गुणवत्ता पर सवाल उठाते हुए कहा कि कई स्थानों पर कार्य मानकों के अनुरूप नहीं हो रहे हैं। उन्होंने अधिकारियों से निर्माण कार्यों की नियमित निगरानी करने और गुणवत्ता में सुधार सुनिश्चित करने की मांग की। पार्षद राजेंद्र सिंह ने सड़क खोदकर पाइपलाइन बिछाने के बाद लंबे समय तक सड़कों की मरम्मत नहीं होने का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि जगह-जगह खुदी सड़कों के कारण दुर्घटनाओं का खतया बना हुआ है। उन्होंने यह भी सवाल उठाया कि पाइपलाइन बिछाए जाने के बावजूद कई स्थानों पर उनमें पानी की आपूर्ति शुरू नहीं हुई है।



आयोजित कार्यशाला में जानकारी देते वक्ता

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : लैंसडौन वन प्रभाग की कोटद्वार रेंज के अंतर्गत अनुभाग ग्राम मवाकोट में एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें लोगों को वनों के संरक्षण के प्रति जागरूक किया गया। इस दौरान लोगों ने वन व वन्य जीवों के संरक्षण का संकल्प लिया।

वक्ताओं ने कहा कि पर्यावरण हमारे जीवन का आधार है। वायु, जल, मिट्टी, पेड़-पौधे, नदियां, पर्वत और जीव-जंतु सभी पर्यावरण का हिस्सा हैं। मनुष्य का जीवन प्रकृति पर निर्भर है, इसलिए पर्यावरण की रक्षा करना हम सभी का कर्तव्य है। आज बढ़ते प्रदूषण, पेड़ों की कटाई, प्लास्टिक के अत्यधिक उपयोग और प्राकृतिक संसाधनों के दोहन से पर्यावरण को गंभीर नुकसान पहुंच रहा है। वायु प्रदूषण से अनेक बीमारियां बढ़ रही हैं, नदियां दूषित हो रही हैं और तापमान में लगातार वृद्धि हो रही है। जलवायु परिवर्तन के कारण बाढ़, सूखा, अत्यधिक गर्मी और जंगलों में आग जैसी समस्याएं भी बढ़ रही हैं। इस मौके पर पूर्व वन क्षेत्राधिकारी आरपी पंत, सुषमा जखमोला, अनिता रावत, बीना देवी, सूर्यप्रकाश, भूपेंद्र सिंह, संदीप सिंह आदि मौजूद रहे।

करियर चयन में अपनी रुचि और योग्यता को समझना जरूरी

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : रोटी क्लब की ओर से मेहरबान सिंह कंडारी सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज में करियर काउंसलिंग कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें छात्र-छात्राओं को करियर के लक्ष्य निर्धारित करने और उन्हें हासिल करने के लिए निरंतर प्रयास करने के लिए प्रेरित किया गया। विशेषज्ञों ने कहा कि विद्यार्थियों को भविष्य के करियर का चुनाव दूसरों की देखा-देखी करने के बजाय अपनी रुचि, क्षमता और योग्यता को ध्यान में रखकर करना चाहिए।

कार्यक्रम का शुभारंभ ईफोमेटिक्स करियर अकादमी से जुड़े संजय अग्रवाल ने किया। उन्होंने कहा कि आज के दौर में करियर के अनेक विकल्प उपलब्ध हैं।

ऐसे में किसी दूसरे विद्यार्थी के करियर को देखकर उसी क्षेत्र को चुनना उचित नहीं है। विद्यार्थियों के लिए अपनी रुचि और क्षमता को पहचानना बेहद जरूरी है। उन्होंने कहा कि लक्ष्य

हासिल करने के लिए सबसे पहले स्वयं को पहचानना होगा। इसके बाद लक्ष्य के प्रति एकाग्रता बनाए रखते हुए निरंतर मेहनत और प्रयास करना सफलता की कुंजी है। उन्होंने छात्र-छात्राओं को अपनी क्षमताओं का आंकलन कर भविष्य की दिशा तय करने की सलाह दी। रोटी क्लब की अध्यक्ष प्रतिभा गुप्ता ने विद्यार्थियों को जीवन में लक्ष्य निर्धारित कर निरंतर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि सही दिशा में किया गया प्रयास विद्यार्थियों को अपने सपनों को साकार करने में मदद करता है।

कार्यक्रम के दौरान विद्यालय में इंटेक क्लब का गठन भी किया गया। इसमें जिया को अध्यक्ष, अर्चना को सचिव और वर्षा को कोषाध्यक्ष चुना गया। क्लब में कुल 20 सदस्यों को शामिल किया गया। इस अवसर पर बीना रावत, ज्योति स्वरूप उपाध्याय, ऊषा अग्रवाल, अशोक अग्रवाल, विजय कुमार माहेश्वरी और ममता रावत सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

लालढांग-चिल्लरखाल मार्ग पर फिर दौड़े वाहन, लोगों को मिली राहत

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : वर्षाकाल के चलते करीब एक माह से बंद लालढांग-चिल्लरखाल मोटर मार्ग को अब वाहनों की आवाजाही के लिए खोल दिया गया है। मार्ग खुलने के बाद कोटद्वार और लालढांग के बीच प्रतिदिन आवागमन करने वाले लोगों को बड़ी राहत मिली है। मार्ग बंद होने के कारण लोगों को उत्तर प्रदेश के रास्ते लंबा चक्कर लगाकर आवागमन करना पड़ रहा था।

लालढांग-चिल्लरखाल मार्ग क्षेत्र के लिए महत्वपूर्ण संपर्क मार्ग होने के साथ ही कोटद्वार और हरिद्वार के बीच व्यापारिक गतिविधियों को भी जोड़ता है। इस मार्ग से प्रतिदिन सैकड़ों लोग आवागमन करते हैं। दुग्ध व्यवसायी भी इसी रास्ते से कोटद्वार पहुंचकर विभिन्न क्षेत्रों में दूध की आपूर्ति करते हैं। ऐसे में मार्ग बंद होने से स्थानीय लोगों के साथ ही व्यापारियों और वाहन चालकों को भी परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। वर्षाकाल के दौरान मार्ग के बीच



कोटद्वार क्षेत्र में लालढांग-चिल्लरखाल मोटर मार्ग से गुजरते वाहन।

पड़ने वाले बरसाती नदी-खेतों में जलस्तर बढ़ने से आवागमन जोखिमभरा हो गया था। वर्षा की शुरुआत में सिगढ़ी स्रोत और मेहली

स्रोत उफान पर आ गए थे। लगातार बारिश और सुरक्षा को देखते हुए वन विभाग ने करीब एक माह पूर्व मार्ग को यातायात के

लिए बंद कर दिया था। अब वर्षाकाल समाप्त होने और बरसाती स्रोतों का जलस्तर सामान्य होने के बाद वन विभाग ने मार्ग को दोबारा खोल दिया है। इससे पहले विभाग की ओर से मार्ग को समतल करने के साथ ही आवश्यक व्यवस्थाओं को दुरुस्त किया गया, जिसके बाद वाहनों की आवाजाही बहाल की गई। मार्ग खुलने से कोटद्वार और लालढांग के बीच सफर करने वाले लोगों को अब लंबा वैकल्पिक रास्ता नहीं अपनाना पड़ेगा। स्थानीय लोगों ने मार्ग को सुचारु बनाए रखने के साथ ही बरसात के दौरान उत्पन्न होने वाली समस्याओं के स्थायी समाधान की मांग की है।

संक्षिप्त समाचार एक सप्ताह बाद भी बहाल नहीं हो पाई सामान्य जलापूर्ति

श्रीनगर गढ़वाल : नगर निगम क्षेत्र श्रीनगर में 27 सितंबर को दो पाइप लाइनें क्षतिग्रस्त होने के कारण एक सप्ताह बीत जाने के बाद भी सामान्य जलापूर्ति बहाल नहीं हो पाई है। वर्तमान में वैकल्पिक व्यवस्था के तहत केवल एक समय आंशिक आपूर्ति की जा रही है, जो सोमवार को कई क्षेत्रों में पूरी तरह बाधित रहने से लोगों की मुश्किलें और बढ़ गईं। जल संस्थान ने शुरुआत में दो दिन में व्यवस्था सामान्य करने का दावा किया था, लेकिन अभी दोनों पाइप लाइनों को जोड़ने के लिए वेल्डिंग का काम चल रहा है और विभाग ने निश्चित समय नहीं बताया है। सोमवार को नर्सरी रोड, गुरुद्वारा रोड, अलकनंदा विहार, कमलेश्वर और अपर बाजार आदि क्षेत्रों में आपूर्ति प्रभावित रही, जबकि अलकेश्वर घाट रोड, भक्तियाना और कमलेश्वर क्षेत्र में कम प्रेशर की समस्या बनी रही। वहीं जल संस्थान की कनिष्ठ अभियंता पूजा ने बताया कि सोमवार को नदी का जलस्तर कम होने के कारण आंशिक आपूर्ति में व्यवधान आया। पाइप लाइनों को जोड़ने का काम जारी है। जल्द तक पानी की पूरी तरह आपूर्ति शुरू होने की उम्मीद है। (एजेंसी)

बर्तन बजाकर जंगली सुअरों को खेतों से भगा रहे ग्रामीण

उत्तरकाशी। संग्राली गांव में जंगली सुअरों की दहशत से लोग परेशान हैं। सुअर खेतों में घुसकर धान और नकदी फसलों को बरबाद कर रहे हैं। स्थिति यह है कि ग्रामीणों को अब रात में बर्तन बजाकर खेतों की रखवाली करनी पड़ रही है। ग्राम प्रधान विजयलक्ष्मी भट्ट, शेखर नैथानी और नरेश नैथानी ने बताया कि इन दिनों खेतों में धान की फसल तैयार है। इसके अलावा अन्य नकदी फसलें भी खेतों में खड़ी हैं। रात के समय जंगली सुअरों के झुंड खेतों में घुसकर फसलों को रौंदने और नुकसान पहुंचाने में लगे हैं। इससे ग्रामीणों की महीनों की मेहनत पर पानी फिर रहा है। फसल बचाने के लिए ग्रामीणों को रातभर जागकर खेतों की रखवाली करनी पड़ रही है। जंगली सुअरों की बढ़ती आवाजाही से ग्रामीणों की परेशानी लगातार बढ़ रही है। फसलों को नुकसान होने से उनकी आजीविका भी प्रभावित हो रही है।

जानवी केडियाल मिस गढ़वाल तो हनी थापा बनें मिस्टर गढ़वाल

मिस्टर-मिस कोटद्वार व गढ़वाल प्रतियोगिता में युवाओं ने बिखेरा जलवा

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : भगवंत ग्लोबल विश्वविद्यालय एवं राणा क्रिकेट अकादमी की ओर से आयोजित मिस्टर-मिस कोटद्वार एवं गढ़वाल-2026 सीजन-7 में युवक-युवतियों ने रैंप पर अपनी प्रतिभा और व्यक्तित्व का शानदार प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता में जानवी केडियाल ने मिस गढ़वाल और हनी थापा ने मिस्टर गढ़वाल का खिताब अपने नाम किया।

बदरीनाथ मार्ग स्थित प्रेक्षागृह में आयोजित प्रतियोगिता में कोटद्वार और आसपास के क्षेत्रों से पहुंचे प्रतिभागियों ने रैंप वॉक, टैलेंट राउंड और पर्सनेलिटी राउंड में प्रतिभा का प्रदर्शन किया। विभिन्न चरणों में प्रतिभागियों के अंतर्निश्चय, प्रतिभा और व्यक्तित्व को परखा गया। संस्था के अध्यक्ष सूरज राणा ने बताया कि प्रतियोगिता में आशीष पांथरी को मिस्टर कोटद्वार और आयुषी बिठ को मिस कोटद्वार चुना गया। वहीं जानवी केडियाल मिस गढ़वाल और हनी थापा मिस्टर गढ़वाल बने। मुख्य अतिथि एवं पूर्व काबीना मंत्री सुरेंद्र सिंह नेगी



कोटद्वार में आयोजित मिस्टर-मिस प्रतियोगिता में विजेता प्रतिभागी।

ने विजेताओं को ट्रॉफी और प्रमाणपत्र प्रदान कर सम्मानित किया। उन्होंने प्रतिभागियों को शुभकामनाएं देते हुए ऐसे आयोजनों को युवाओं के लिए प्रतिभा प्रदर्शित करने का मंच बताया। इस अवसर पर भगवंत ग्लोबल यूनिवर्सिटी के रजिस्ट्रार

अनिल खंतवाल, शशि रावत, राहुल राजपूत, रंजना रावत, अमित राज रावत, अरुण बिष्ट, सुमन कोटनाला, सुधांशु नेगी, राजा आर्य, भास्कर प्रजापति, निखिल, बांवी बिष्ट और रघुवीर सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

एवोक क्रिकेट अकादमी सोनीपत ने दो मैचों की सीरीज जीती

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : डैफोडिल्स क्रिकेट जोन, चतुर्वाला में डैफोडिल्स स्कूल क्रिकेट टीम कोटद्वार एवं एवोक क्रिकेट अकादमी, सोनीपत (हरियाणा) के बीच दो मैचों की 40-40 ओवर क्रिकेट सीरीज का सफल आयोजन किया गया। दोनों मुकाबलों में खिलाड़ियों ने शानदार खेल भावना, अनुशासन और प्रतिस्पर्धात्मक क्रिकेट का प्रदर्शन किया। सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज एकलव्य एवोक क्रिकेट अकादमी, सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज अक्षय शर्मा डैफोडिल्स क्रिकेट टीम, सर्वश्रेष्ठ क्षेत्ररक्षक अमन डागर एवोक क्रिकेट अकादमी, प्लेयर ऑफ द सीरीज का पुरस्कार अनाया नेगी डैफोडिल्स क्रिकेट जोन को दिया गया। दोनों मुकाबलों के संयुक्त परिणाम के आधार पर सीरीज विजेता ट्रॉफी एवोक क्रिकेट अकादमी, सोनीपत को प्रदान की गई।



पहले मैच में एवोक क्रिकेट अकादमी, सोनीपत ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का निर्णय लिया। उन्होंने प्रतिभागियों को टीम के 40 ओवर में 276 रन बनाकर ऑल आउट हुई। एकलव्य ने 106, कुंज बंसल ने 81 रन बनाए।

डैफोडिल्स की ओर से अक्षय शर्मा ने 8 ओवर में 62 रन देकर 4 विकेट हासिल किए। लक्ष्य का पीछा करते हुए डैफोडिल्स क्रिकेट जोन की टीम ने शानदार संघर्ष करते हुए 274/8 रन बनाए और जीत से मात्र 2 रन दूर रह गई।

अनाया नेगी ने 108, एरॉन नेगी ने 35, अभिषेक नेगी ने 31 रन बनाए। एवोक की ओर से कुंज बंसल ने 30 रन देकर 6 विकेट लिए। एवोक क्रिकेट अकादमी ने 2 रन से जीत दर्ज की। मैन ऑफ द मैच कुंज बंसल, फाइनर ऑफ द मैच का पुरस्कार अनाया नेगी को दिया गया। दूसरे मुकाबले में डैफोडिल्स क्रिकेट टीम ने एवोक क्रिकेट अकादमी को 92 रन से हराया। डैफोडिल्स की ओर से शानदार बल्लेबाजी करते हुए अनाया नेगी 91 रन, एरॉन नेगी 26 रन, कार्तिक बिष्ट 26 रन बनाए। गेंदबाजी में अमन डागर ने 22 रन देकर 2 विकेट, जबकि दक्ष ने 39 रन देकर 2 विकेट हासिल किए। डैफोडिल्स की ओर से शानदार गेंदबाजी करते हुए अक्षय शर्मा ने 24 रन देकर 5 विकेट, अनाया नेगी ने 24 रन देकर 2 विकेट लिए। दोनों मुकाबलों के संयुक्त परिणाम के

आधार पर सीरीज विजेता ट्रॉफी एवोक क्रिकेट अकादमी, सोनीपत को प्रदान की गई। इस मौके पर चेयरमैन अर्जुन सिंह बिष्ट ने कहा कि इस दो मैचों की सीरीज के आयोजन का उद्देश्य युवा खिलाड़ियों को उच्च स्तर की प्रतिस्पर्धात्मक क्रिकेट का अनुभव प्रदान करना और उन्हें अपनी प्रतिभा को निखारने का बेहतर अवसर देना था। डैफोडिल्स क्रिकेट जोन, चतुर्वाला, कोटद्वार युवा क्रिकेट प्रतिभाओं को गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण, बेहतर सुविधाएं और प्रतिस्पर्धात्मक अवसर प्रदान करने के लिए निरंतर प्रयासरत है। हमारा लक्ष्य प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को तैयार कर भविष्य के चैंपियन तैयार करना है। इस अवसर पर डायरेक्टर शेखर उपाध्याय, डायरेक्टर स्पोर्ट्स नरेंद्र नेगी, क्रिकेट कोट पुनीत बिष्ट, मैनेजर महावीर सिंह रावत आदि मौजूद थे।

युवाओं में ज्ञान और सही वित्तीय निर्णय लेने की समझ जरूरी



जयन्त प्रतिनिधि। लैंसडौन : भक्त दर्शन राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, जयहरीखाल में करियर काउंसलिंग सेल व एक्सप्लेस ग्लोबल रिक्रस्य द्वारा विद्यार्थियों को वित्तीय रूप से जागरूक एवं सशक्त बनाने के उद्देश्य से ह्रुववाओं के लिए वित्तीय कौशल में दक्षता

ज्ञान अर्जित करें, भविष्य संचारेंद्व विषय पर प्रेरणात्मक एवं शैक्षणिक प्रशिक्षण वेबिनार आयोजित किया गया। प्रभावी प्रचार्य डॉ. फकीर सिंह ने कहा कि आज के समय में युवाओं के लिए वित्तीय ज्ञान और सही वित्तीय निर्णय लेने की समझ अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि ऐसे

प्रशिक्षण कार्यक्रम विद्यार्थियों को आर्थिक रूप से जागरूक, आत्मनिर्भर एवं अपने भविष्य की बेहतर योजना बनाने में सक्षम बनाते हैं। वेबिनार का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों में वित्तीय साक्षरता, धन प्रबंधन, बचत की आदत, निवेश की समझ तथा भविष्य के लिए बेहतर वित्तीय योजना बनाने की क्षमता विकसित करना रहा। वेबिनार में सेबी स्मार्ट प्रशिक्षक आशीष शाह ने विद्यार्थियों को वित्तीय निर्णयों से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण पहलुओं की जानकारी दी। प्रशिक्षण के दौरान विद्यार्थियों को कमाई और खर्च के बीच संतुलन बनाए रखने, नियमित बचत करने, आवश्यकता एवं इच्छा के बीच अंतर समझने, धन के सही प्रबंधन तथा निवेश से पहले उचित जानकारी प्राप्त करते हुए निवेश रूप से जानकारी दी गई। वेबिनार का विशेष फोकस युवा अवस्था से ही वित्तीय अनुशासन विकसित करने, अनावश्यक खर्चों से बचने और सोच-समझकर वित्तीय निर्णय लेने पर रहा। कार्यक्रम में महाविद्यालय के डॉ. एस. ए. अंसारी, डॉ. सत्यनंदन भगत, डॉ. विनीता देवी सहित महाविद्यालय के अन्य प्राध्यापक एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।



जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : उत्तरखंड संस्कृत संस्थानम हरिद्वार की ओर से जनपद स्तरीय संस्कृति स्पर्धा प्रतियोगिता सात अक्टूबर से आयोजित की जाएगी। दो दिन चलने वाली प्रतियोगिता में पौड़ी जिले के विभिन्न विकासखंडों से सैकड़ों विद्यार्थी

प्रतिभाग करेंगे। प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य बच्चों को अपनी संस्कृति व सभ्यता के प्रति जागरूक करना है। जनपद संयोजक आचार्य रेशन गौड़ ने बताया कि प्रतियोगिता के प्रथम दिन कक्षा छह से दस तक के विद्यार्थियों के लिए संस्कृत नाटक, संस्कृत समुहगान, सामूहिक नृत्य, वाद-विवाद, आशुभाषण, श्लोकाचारण प्रतियोगिता होगी। इसके उपरांत आठ

प्रतियोगिता में लैंसडौन विस के विधायक दिलीप रावत व मुख्य शिक्षा अधिकारी अत्रेश सयाना भी मौजूद रहेंगे। प्रतियोगिताएं सिद्धबली मंदिर स्थित सभागार में होंगी। कहा कि प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य बच्चों को संस्कृति व सभ्यता के प्रति जागरूक करना संस्कृत नाटक, संस्कृत समुहगान, सामूहिक विशेष टीमों गठित की गई है।

उत्तर रेलवे

1ST CORRIGENDUM

यह निविदा वेबसाइट www.ireps.gov.in पर अपलोड की गई थी और दिनांक 29.09.2026 को समाचार पत्रों में प्रकाशित की गई थी, तथा दिनांक 17.10.2026 को 11:30 बजे बंद कर दी जाएगी और दिनांक 17.10.2026 को 11:30 बजे के बाद वेबसाइट पर खोली जाएगी। उपरोक्त के अलावा टेंडर में कोई बदलाव नहीं किया गया है।

कृपया सभी निविदाकार वेबसाइट www.ireps.gov.in को देखें।

No. MC-15-HABD-MB-26 Date: 01.10.2026

ग्राहकों की सेवा में सुरकान के साथ 3438/26

हिमालयी क्षेत्र औषधीय एवं सुगंधित पौधों की खेती का बन सकता है प्रमुख केंद्र : डॉ. दधिच

गुणवत्तापूर्ण रोपण सामग्री, जैविक खेती और मजबूत बाजार व्यवस्था पर जोर

जयन्त प्रतिनिधि। श्रीनगर गढ़वाल : हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल विश्वविद्यालय के उच्च शिक्षरीय पादप कार्यिकी शोध केंद्र में सोमवार को राष्ट्रीय औषधीय पादप बोर्ड, भारत सरकार की परियोजना के अंतर्गत दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का शुभारंभ हुआ। संगोष्ठी में हिमालयी क्षेत्र की पर्यावरणीय चुनौतियों, बदलते भू-उपयोग एवं भू-आवरण, जलवायु परिवर्तन, कृषि, औषधीय पादप संसाधनों और ग्रामीण आजीविका से जुड़े विषयों पर विशेषज्ञों ने विचार-विमर्श किया।

वक्ताओं ने शोध को केवल आकादमिक प्रकाशनों तक सीमित न रखकर स्थानीय समुदायों और गांवों की वास्तविक समस्याओं के समाधान से जोड़ने पर जोर दिया। राष्ट्रीय औषधीय पादप बोर्ड, नई दिल्ली के सीईओ डॉ. महेश के. दधिच ने कहा कि औषधीय एवं सुगंधित पौधों के क्षेत्र के विकास के लिए



वैज्ञानिक ज्ञान को व्यावहारिक कार्यों से जोड़ना जरूरी है। उन्होंने गुणवत्तापूर्ण रोपण सामग्री, जैविक एवं टिकाऊ खेती, बेहतर बाजार व्यवस्था और युवा उद्यमिता को इस क्षेत्र के विकास का प्रमुख आधार बताया। डॉ. दधिच ने कहा कि उपयुक्त मौसम, अच्छी भूमि, गुणवत्तापूर्ण जल और उतम बीज औषधीय पौधों की गुणवत्ता और उत्पादकता

निर्धारित करने वाले महत्वपूर्ण घटक हैं। हिमालयी क्षेत्र की प्राकृतिक एवं परिस्थितिकी परिस्थितियां उच्च गुणवत्ता वाले औषधीय और सुगंधित पौधों के उत्पादन के लिए अनुकूल हैं। ऐसे में यह क्षेत्र औषधीय पादप खेती का प्रमुख केंद्र बनने की क्षमता रखता है। उन्होंने हिमालयी क्षेत्रों में जैविक और टिकाऊ कृषि पद्धतियों को बढ़ावा देने की आवश्यकता

बताई। कहा कि खेती, संग्रहण और प्रसंस्करण से जुड़े पारंपरिक ज्ञान को वैज्ञानिक दृष्टिकोण के साथ जोड़ा जाना चाहिए, जिससे गुणवत्तापूर्ण उत्पादन के साथ प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण भी सुनिश्चित हो सके। डॉ. दधिच ने दुर्लभ, संकटग्रस्त और उच्च मूल्य वाली औषधीय वनस्पतियों के लिए गुणवत्तापूर्ण रोपण सामग्री की उपलब्धता को महत्वपूर्ण बताया। कहा कि प्रमाणिक एवं गुणवत्तापूर्ण पौध सामग्री की उपलब्धता सफल खेती के साथ-साथ औषधीय पौधों के संरक्षण के लिए भी आवश्यक है। उन्होंने एक जड़ी-बूटी-एक जिला की अवधारणा को बढ़ावा देने का सुझाव देते हुए कहा कि प्रत्येक जिले की जलवायु, मिट्टी और उपलब्ध संसाधनों के अनुरूप औषधीय फसलों का चयन कर क्षेत्र-विशेष की पहचान विकसित की जा सकती है। इससे किसानों की आय बढ़ाने के साथ स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर भी सृजित होंगे। उन्होंने किसानों और उद्यमियों के लिए डिजिटल सूचना संसाधनों की उपयोगिता पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने राष्ट्रीय औषधीय पादप बोर्ड की वेबसाइट समेत उपलब्ध संसाधनों के माध्यम से खेती, तकनीक और उद्यम से जुड़ी

आपदाओं के प्रति संवेदनशील है हिमालय : पंवार

विशिष्ट अतिथि गढ़वाल विश्वविद्यालय के डीन रिक्टमेट एवं पदोन्नति प्रो. मोहन सिंह पंवार ने हिमालय की भौगोलिक एवं पारिस्थितिक संवेदनशीलता पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि हिमालय प्राकृतिक आपदाओं के प्रति अत्यधिक संवेदनशील क्षेत्र है। बदलते भू-उपयोग एवं भू-आवरण, जनसंख्या स्वस्थ और कृषि पद्धतियों में हो रहे बदलावों का प्रभाव यहां की पारंपरिक कृषि व्यवस्था पर भी पड़ रहा है। उन्होंने पारंपरिक मिश्रित खेती के स्थान पर बढ़ते एकल फसल चलन को कृषि विविधता और हिमालयी कृषि की लचीली क्षमता के लिए चुनौती बताया। साथ ही गुणवत्तापूर्ण पौध रोपण सामग्री की कमी को कृषि एवं बागवानी विकास में प्रमुख बाधाओं में शामिल किया।

औषधीय पादपों के प्रमाणिक कच्चे माल की जरूरत : डॉ. त्रिपाठी

उत्तराखंड आयुर्वेद विश्वविद्यालय, देहरादून के कुलपति डॉ. अरुण कुमार त्रिपाठी ने कहा कि स्वास्थ्य व्यवस्था में अब बीमारी के उपचार के साथ स्वास्थ्य संवर्धन पर भी अधिक जोर दिया जा रहा है। इससे गुणवत्तापूर्ण औषधीय पादप कच्चे माल और प्रमाणित हर्बल उत्पादों की मांग बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि वर्तमान मांग के अनुरूप पर्याप्त और प्रमाणिक कच्चा माल उपलब्ध नहीं होने के कारण मिलावट और अनुपयुक्त विकल्पों के इस्तेमाल की आशंका बनी रहती है। उन्होंने औषधीय पौधों का उत्पादन बढ़ाने के लिए किसानों को वैज्ञानिक प्रशिक्षण और तकनीकी सहयोग देने की जरूरत बताई। साथ ही जैविक एवं टिकाऊ खेती को बढ़ावा देने तथा उत्पादन से लेकर संग्रहण, गुणवत्ता परीक्षण और उपयोग तक विभिन्न स्तरों पर समन्वित व्यवस्था विकसित करने पर जोर दिया।

ज्ञानकारी हासिल करने की बात कही। उन्होंने कहा कि किसी नई औषधीय फसल अथवा उद्यम को अपनाने से पहले उसकी तकनीकी और आर्थिक व्यवहार्यता का आंकलन किया जाना चाहिए, ताकि किसान सोच-समझकर निर्णय ले सकें। डॉ. दधिच ने औषधीय पौधों के लिए संगठित हर्बल मंडियों और समर्पित बाजार व्यवस्था विकसित करने की आवश्यकता पर जोर दिया। इस मौके पर

पन्द्रह दिन में गो सदनों के लिए भूमि चयन की प्रक्रिया पूरी करें



जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : उत्तराखंड गो सेवा आयोग के अध्यक्ष डॉ. राजेंद्र अंथवाल ने 15 दिनों के भीतर जिले में गो सदनों के लिए भूमि चयन की प्रक्रिया पूरी करने के निर्देश दिए। अध्यक्ष ने गोवंश संरक्षण अधिनियम, 2007 की धारा 7 एवं 8 के उल्लंघन के मामलों में निम्नानुसार कार्यवाई करने को कहा। उन्होंने

गोवंश के जन्म-मरण की रिकॉर्डकीपिंग, डेयरियों का पंजीकरण एवं समय-समय पर उनकी जांच सुनिश्चित करने तथा गोवंश को निराश्रित छोड़ने वालों के विरुद्ध कार्यवाई करने को कहा। विकास भवन सभागार में समीक्षा बैठक लेते हुए अंथवाल ने गोवंश के जन्म-मरण की रिकॉर्ड कीपिंग, डेयरियों का पंजीकरण

और समय-समय पर उनकी जांच करने के निर्देश दिए। उन्होंने गोवंश संरक्षण व गो सदनों की व्यवस्थाओं की समीक्षा बैठक कर ग्राम्य गो सेवकों और गो सदनों को दिए जा रहे अनुदान और भुगतान की स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने कहा कि जिन निकायों में गोवंश लिफ्टिंग वेन उपलब्ध नहीं है, वहां तत्काल वाहन की व्यवस्था करें। जिले में कुल 25 गो सदन हैं जिसमें से 21 गैर सरकारी और चार सरकारी हैं। इसमें कुल 2,653 निराश्रित गो वंश को रखा गया है, जबकि जिले के दस ब्लॉकों में 32 ग्राम्य गोसेवक पंजीकृत हैं। पशुपालन विभाग की ओर से अब तक 2,76,076 गोवंश की ईयर टैगिंग की जा चुकी है। साथ ही 73.61 फीसदी का टीकाकरण किया जा चुका है। इस मौके पर सीडीओ अशोक जोशी, पुलिस उपाधीक्षक दिव्येश उपाध्याय, मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. विशाल शर्मा, गो सेवक एवं श्री खंडा नागरजा धर्म क्षेत्र के अध्यक्ष सुभाष देशवाल, नगर निकायों के अधिशासी अधिकारी एवं खंड विकास अधिकारी सहित कई गो धाम से जुड़े लोग उपस्थित रहे।

मल्ला में भालू ने ग्रामीण पर किया हमला

उत्तरकाशी। मल्ला गांव में सोमवार सुबह छान की ओर जा रहे एक ग्रामीण पर भालू ने अचानक हमला कर दिया। हमले में ग्रामीण गंभीर रूप से घायल हो गए। शोर सुनकर आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे और किसी तरह भालू को भगाकर घायल को उपचार के लिए प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र भटवाड़ी पहुंचाया। चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद उनकी गंभीर हालत को देखते हुए जिला अस्पताल उत्तरकाशी रेफर कर दिया। फिलहाल जिला अस्पताल में उनका उपचार चल रहा है। मल्ला गांव निवासी व भाजपा नेता मनुजेंद्र रावत ने बताया कि मल्ला गांव निवासी जगबीर सिंह रावत सुबह करीब 6:30 बजे अपनी छान की ओर जा रहे थे। इसी दौरान रास्ते में घात लगाए बैठे भालू ने उन पर हमला कर दिया। अचानक हुए हमले से वह गंभीर रूप से घायल होकर मौके पर गिर पड़े। आसपास मौजूद ग्रामीणों को घटना की जानकारी मिली तो वे मौके पर पहुंचे और घायल को सुरक्षित निकालकर अस्पताल पहुंचाया।

एशियन गेम्स में कांस्य पदक जीतने वाले बॉक्सर कपिल ने मुख्यमंत्री से की भेंट



जयन्त प्रतिनिधि। देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से सोमवार को नगला तराई, खटौमा स्थित उनके निजी आवास पर अंतरराष्ट्रीय बॉक्सर एवं उत्तराखण्ड के प्रतिभावान खिलाड़ी कपिल पोखरिया ने भेंट की। कपिल पोखरिया ने जापान में आयोजित एशियन

गेम्स-2026 की पुरुष 90 किग्रा बॉक्सिंग स्पर्धा में भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए शानदार प्रदर्शन कर कांस्य पदक अपने नाम किया है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कपिल पोखरिया को इस उपलब्धि के लिए बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि उनकी सफलता ने उत्तराखण्ड के साथ पूरे देश को गौरवान्वित किया है। कहा कि प्रदेश के युवाओं द्वारा राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय मंचों पर हासिल की जा रही उपलब्धियां नई पीढ़ी के लिए प्रेरणास्रोत हैं। मुख्यमंत्री ने

कपिल के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए विश्वास व्यक्त किया कि वे आगे भी अपनी प्रतिभा और परिश्रम से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश एवं उत्तराखण्ड का नाम रोशन करते रहेंगे। इस अवसर पर कपिल पोखरिया ने मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया।

एक नजर

पागल कुत्ते की दहशत, कुछ दिनों में ही काट दिया छह लोगों को



पुरेला। नगर पालिका परिषद क्षेत्र में पागल कुत्ते की दहशत बनी है। पिछले कुछ दिनों में एक पागल कुत्ता छह लोगों को काट चुका है। लगातार सामने आ रहे मामलों के बाद स्थानीय लोगों ने नगर पालिका प्रशासन से अभियान चलाकर पागल कुत्तों

को पकड़ने की मांग की है।

भाजपा नेता पवन नौटियाल, व्यापार मंडल अध्यक्ष अंकित पंवार, राजपाल पंवार ने नगर पालिका प्रशासन से मामले को गंभीरता से लेते हुए तत्काल कार्यवाई की मांग की। उन्होंने कहा कि यदि समय रहते कुत्तों को नहीं पकड़ा गया तो आने वाले दिनों में अन्य लोग भी इनके हमले का शिकार हो सकते हैं। अधिशासी अधिकारी प्रदीप दयाल ने बताया कि पागल कुत्तों को पकड़ने के लिए पालिका की टीम को निर्देश दिए गए हैं। जल्द ही अभियान चलाकर कुत्तों को पकड़ने की कार्यवाई की जाएगी। उधर, उपजिला चिकित्सालय पुरेला के प्रभारी चिकित्साधिकारी डॉ. मनोज असवाल ने बताया कि अस्पताल में कुत्ते के काटने के मामले लगातार सामने आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि लोगों को घबराने की जरूरत नहीं है। अस्पताल में एंटी रेबीज वैक्सीन पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है और कुत्ते के काटने से प्रभावित लोगों का नियमानुसार उपचार किया जा रहा है। उन्होंने लोगों से अपील की कि कुत्ते के काटने की स्थिति में किसी तरह की लापरवाही न बरतें और बिना देरी किए अस्पताल पहुंचकर उपचार कराएं।

बिना बदरीनाथ के दर्शन कर नहीं लौटेंगे बुजुर्ग श्रद्धालु



बदरीनाथ। बदरीनाथ मंदिर में बढ़ती श्रद्धालुओं की भीड़ के बीच अब बुजुर्ग श्रद्धालुओं को बिना दर्शन किए नहीं लौटना पड़ेगा। बीकेटीसी की ओर से बदरीनाथ मंदिर में तीन कर्मचारियों की तैनाती की गई है। ये कर्मचारी भीड़ के बीच बुजुर्ग श्रद्धालुओं को मंदिर में दर्शन कराने में सहायग करेंगे।

बदरीनाथ धाम में इन दिनों श्रद्धालुओं की संख्या लगातार बढ़ रही है। इस वर्ष धाम में श्रद्धालुओं की संख्या ने नया रिकॉर्ड भी बनाया है। बढ़ती भीड़ के कारण मंदिर में दर्शन के लिए लंबी कतार लग रही है। ऐसे में बुजुर्ग श्रद्धालुओं को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा था और कई बुजुर्ग बिना दर्शन किए ही लौट रहे थे। बीकेटीसी अध्यक्ष हेमंत द्विवेदी ने बताया कि अब कोई भी बुजुर्ग श्रद्धालु भगवान बदरीनाथ के दर्शन किए बिना नहीं लौटेगा। इसके लिए मंदिर में तीन कर्मचारियों की तैनाती की गई है। कर्मचारी बुजुर्ग श्रद्धालुओं को भीड़ से निकालकर सुगम तरीके से दर्शन कराने में सहायग करेंगे। उन्होंने कहा कि श्रद्धालुओं की सुविधा और भगवान के दर्शन सुनिश्चित करना मंदिर समिति की प्राथमिकता है।

आमजन स्वच्छता को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाएं

स्वच्छता ही सेवा-2026 के अंतर्गत पूर्वी नायर नदी में चलाया स्वच्छता अभियान

जयन्त प्रतिनिधि। थलीसैंण : स्वच्छता ही सेवा-2026 अभियान के अंतर्गत उपजिलाधिकारी थलीसैंण कृष्णा त्रिपाठी की उपस्थिति में पूर्वी नायर नदी क्षेत्र में विशेष स्वच्छता अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान नदी क्षेत्र की साफ-सफाई करते हुए उपस्थित लोगों को नदी एवं पर्यावरण संरक्षण तथा स्वच्छता के महत्व के बारे में जागरूक किया गया। इस मौके पर एसडीएम ने कहा कि स्वच्छ भारत अभियान तभी सफल हो सकता है जब प्रत्येक नागरिक स्वच्छता के प्रति ईमानदारी से अपनी जिम्मेवारी निभाएं। न तो खुद गंदगी फैलाएं और न ही किसी अन्य व्यक्ति को गंदगी फैलाने दें। अभियान के दौरान आमजन से अपील की गई कि प्लास्टिक एवं अन्य कूड़ा-कचरा नदी,



गंदेरे अथवा जल स्रोतों में न डालें तथा नदी-गंदेरों को स्वच्छ एवं प्रदूषण मुक्त रखने में सक्रिय सहयोग करें। वक्ताओं ने कहा कि

जीवनदायिनी हैं और इनके प्रदूषित होने का सीधा प्रभाव पर्यावरण, स्वच्छता एवं मानव स्वास्थ्य पर पड़ता है। उपजिलाधिकारी कृष्णा त्रिपाठी ने आमजन से स्वच्छता अभियान को

केवल एक दिन तक सीमित न रखते हुए इसे दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने तथा नदी एवं प्राकृतिक जलस्रोतों के संरक्षण में अपनी जिम्मेवारी निभाने की अपील की। उन्होंने कहा कि स्वच्छता स्वस्थ जीवन का आधार है। गंदगी के कारण अनेक प्रकार की बीमारियों का खतरा बढ़ता है, जबकि स्वच्छ वातावरण लोगों को स्वस्थ और सुरक्षित रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इस अवसर पर नगर पंचायत थलीसैंण के अधिशासी अधिकारी दीपक प्रताप, स्वच्छता ब्रांड एंबेसडर सत्येंद्र सेमवाल, पर्यावरण संरक्षक ललित मयगई, डिग्री

कॉलेज छात्र संघ अध्यक्ष मानसी, डिग्री कॉलेज के नमामि गंगे संयोजक बच्चन सिंह भंडारी, सामाजिक कार्यकर्ता आशाराम पोखरियाल, विद्या मंदिर के शिक्षक एवं

स्मार्ट मीटर लगाने को लेकर व्यापार मंडल का विरोध

जयन्त प्रतिनिधि। लैंसडौन : पर्यटन द्वारा लैंसडौन में विद्युत विभाग नगरी व्यापारिक प्रतिष्ठानों में स्मार्ट मीटर लगाए जाने को लेकर व्यापार मंडल और विभाग के बीच मतभेद सामने आए हैं। व्यापार मंडल ने व्यापारियों की सहमति के बिना स्मार्ट मीटर लगाए जाने का विरोध करते हुए स्पष्ट किया है कि किसी भी व्यापार को जोर जबर्दस्ती नहीं की जानी चाहिए।कांग्रेस नगर अध्यक्ष रोशन शाह और व्यापार मंडल अध्यक्ष राजेश अग्रवाल ने कहा कि यदि किसी व्यापारी की स्मार्ट मीटर लगाने को लेकर सहमति नहीं है तो विभाग को उसकी आपत्ति को सुनना चाहिए। उन्होंने कहा कि व्यापारियों पर दबाव बनाकर मीटर लगाए जाने का प्रयास किया गया तो व्यापार मंडल

इसके विरोध में बाजार बंद रखने का निर्णय ले सकता है। वहीं, विद्युत विभाग के एसडीओ ने बताया कि स्मार्ट मीटर लगाए जाने की योजना केंद्र सरकार की योजना के अंतर्गत संचालित की जा रही है। उन्होंने बताया कि जहां-जहां नेटवर्क की सुविधा उपलब्ध होगी, वहां योजना के तहत स्मार्ट मीटर लगाए जाएंगे। विभाग द्वारा स्मार्ट प्रीपेड मीटर लगाए जा रहे हैं। एसडीओ ने कहा कि योजना के तहत उपभोक्ताओं के विद्युत उपयोग और बिलिंग व्यवस्था को स्मार्ट मीटर के माध्यम से संचालित किया जाएगा। वहीं व्यापार मंडल ने विभाग से व्यापारियों की आशंकाओं को दूर करने तथा पूरे मामले में आपसी संवाद के माध्यम से समाधान निकालने की मांग की है।

मुख्य विकास अधिकारी ने जनता दरबार में सुनी जन शिकायतें

जयन्त प्रतिनिधि। चमोली : मुख्य विकास अधिकारी डॉ. अभिषेक त्रिपाठी की अध्यक्षता में सोमवार को जिला सभागार गोपेश्वर में जनता दरबार का आयोजन किया गया, इस दौरान जनपद के अलग-अलग क्षेत्रों से आये लोगों ने अपनी समस्याओं को अधिकारियों के समक्ष रखा। जनता दरबार में लोक निर्माण, स्वास्थ्य, बिजली, वन, जल निगम, पीएमजीएसवाई, ग्रामीण निर्माण, शिक्षा, समाज कल्याण, पुलिस विभाग, श्रम, सेवायोजन, खाद्य आपूर्ति, उद्योग, पर्यटन, कृषि एवं पशुपालन विभागों सम्बन्धी कुल 28 शिकायतें दर्ज करई गईं, जिसमें अधिकांश का मौके पर ही निस्तारण किया गया एवं अवशेष शिकायतों के निस्तारण हेतु सम्बन्धित विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया गया है। गोपेश्वर निवासी प्रियंका देवी ने राशन कार्ड बनवाने, चमोली के देवेन्द्र गुंसाई ने चमोली में बंदरे से हो रही परेशानी की शिकायत एवं मलतया नारायणबागड के सुरेंद्र सिंह ने अमस्त, 2025 में आपदा से पेयजल की लाइन क्षतिग्रस्त होने की शिकायत दर्ज करई। गण्डमूर नन्दानगर निवासी मनीषा देवी ने प्रधानमंत्री आवास



की मांग, खोलों चमोली की इन्डू देवी ने कैसर पीड़ित पति के इलाज हेतु आर्थिक सहायता एवं तैफना निवासी संगीता देवी ने स्वरोजगार की मांग गुंसाई ने चमोली में बंदरे से हो रही परेशानी की शिकायत एवं मलतया नारायणबागड के सुरेंद्र सिंह ने अमस्त, 2025 में आपदा से पेयजल की लाइन क्षतिग्रस्त होने की शिकायत दर्ज करई। गण्डमूर नन्दानगर निवासी मनीषा देवी ने प्रधानमंत्री आवास

समाधान करते हेतु तत्पर कार्यरत है। साथ ही उन्होंने अधिकारियों को जन शिकायतों का त्वरित और पारदर्शी संगीता देवी ने स्वरोजगार की मांग गुंसाई ने चमोली में बंदरे से हो रही परेशानी की शिकायत एवं मलतया नारायणबागड के सुरेंद्र सिंह ने अमस्त, 2025 में आपदा से पेयजल की लाइन क्षतिग्रस्त होने की शिकायत दर्ज करई। गण्डमूर नन्दानगर निवासी मनीषा देवी ने प्रधानमंत्री आवास

आयुष प्रदेश और ग्लोबल वेलनेस हब के रूप में विकसित होगा उत्तराखण्ड : धामी

जयन्त प्रतिनिधि। देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सोमवार को मुख्यमंत्री कैम्प कार्यालय स्थित मुख्य सेवक सदन में आयोजित कार्यक्रम में आयुष विभाग के 271 तथा कर्मचारी राज्य बीमा योजना के अंतर्गत 61 एलोपैथिक फार्मसी अधिकारियों सहित कुल 332 नव नियुक्त कार्मिकों को नियुक्ति पत्र प्रदान किए। मुख्यमंत्री ने सभी नव नियुक्त कार्मिकों को शुभकामनाएं देते हुए उनसे सेवाभाव, संवेदनशीलता और समर्पण के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करने का आह्वान किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखण्ड देवभूमि होने के साथ योग, आयुर्वेद और औषधीय जड़ी-बूटियों की समृद्ध परंपरा वाला राज्य है। राज्य सरकार उत्तराखण्ड को मॉडल 'आयुष प्रदेश' और 'ग्लोबल वेलनेस हब' के रूप में विकसित करने की दिशा में निरंतर कार्य कर रही है। प्रदेश के सभी जनपदों में आयुष सेवाओं का विस्तार करने के साथ पंचकर्म सेवाओं को आधुनिक बनाया जा रहा है तथा



आयुर्वेद उत्कर्ष केंद्र स्थापित किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि नियुक्ति पत्र प्राप्त करना

युवाओं के जीवन का एक महत्वपूर्ण पड़ाव है। इसके साथ ही उनके जीवन में जनसेवा की नई जिम्मेवारी भी

शुरू होती है। उन्होंने कहा कि नव नियुक्त कार्मिक अपने सरकारी दायित्व की केवल नौकरी के रूप में न देखें, बल्कि समाज के अंतिम छोर पर खड़े व्यक्ति के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने का माध्यम बनावें। आयुष विभाग और कर्मचारी राज्य बीमा योजना से जुड़े कार्मिकों की भूमिका सोधे लोगों के स्वास्थ्य और जीवन से जुड़ी हुई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि दूर-दराज के क्षेत्रों से उपचार के लिए सरकारी स्वास्थ्य केंद्रों और अस्पतालों तक पहुंचने वाले लोगों के मन में व्यवस्था के प्रति एक भरोसा होता है। कार्मिकों की संवेदनशीलता, तत्परता और कार्यकुशलता इस भरोसे को और मजबूत करती है। उन्होंने नव नियुक्त कार्मिकों से कहा कि वे जहां भी सेवाएं दें, अपनी कार्यशैली से उदाहरण प्रस्तुत करें। अस्पताल या स्वास्थ्य केंद्र पहुंचने वाला प्रत्येक व्यक्ति एक उम्मीद लेकर आता है और कार्मिकों का सही निर्णय तथा ईमानदार प्रयास जरूरतमंद के जीवन में बड़ा बदलाव ला सकता है।



हमारी शिक्षा, लाइफ और करियर में क्रिएटिविटी एक बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। लेकिन यह बात छोटे बच्चे को आप कैसे समझाएं? अब समार वेकेशन शुरू हो चुकी है और ऐसे में पैरेंट्स यही सोचते हैं कि इन छुट्टियों को बच्चों के लिए कैसे प्रोडक्टिव बनाएं।



घर में लगाएं ये फूल तनाव होगा दूर, भीनी-भीनी खुशबू से आएंगी जीवन में खुशियां

आजकल के भागदौड़ भरे जीवन में सुकुन के दो पल चुराना बेहद मुश्किल हो गया है। अक्सर तनाव में रहते हैं। ऐसे में इस तनाव को दूर करने के लिए अधिकतर लोग शहर से दूर बाहर किसी हिल स्टेशन पर जाना पसंद करते हैं। लेकिन हर कोई टेंशन कम करने के लिए हिल स्टेशन नहीं जा सकते हैं। लेकिन इसका ये मतलब नहीं है कि आप तनाव में रहें। आप जीवन की टेंशन को घर में ही कम कर सकते हैं। आपके दिमाग में भी यही सवाल आया होगा कि कैसे टेंशन कम होगी? घबराइए मत हम आपको सारी उलझन को दूर कर देंगे। इस लेख में हम आपको कुछ फूल के बारे में बताएंगे, जो आपके घर में खुशियां लेकर आएंगे। साथ ही यह फूल घर के साथ-साथ जीवन को भी मंहाका देंगे।

लगाने से नकारात्मक ऊर्जा कम हो जाती है। मोगरे के फूल गर्मियों के मौसम में खिलता है। इस फूल की भीनी-भीनी खुशबू आपके तनाव को कम कर देंगे। मोगरा के फूल की खुशबू से घर आपके मन को तरताजा कर देगी।

गुलाब

गुलाब का फूल न केवल दिखने में खूबसूरत है बल्कि यह फूल औषधीय गुण से भरपूर है। गुलाब की खुशबू तनाव को दूर करने में मदद करती है, साथ ही इससे रिश्ते की मिठास बनी रहती है।

चम्पा

चम्पा फूल को लगाने से घर का वातावरण शुद्ध होता है। हल्के पीले और सफेद रंग के ये चम्पा के फूल बहुत ही खूबसूरत होते हैं। इस फूल को लगाने से घर में सौभाग्य आता है।

गुड़हल का फूल

गुड़हल के फूल का उपयोग पूजा-पाठ में किया जाता है। भगवान गणेश को लाल गुड़हल के फूल बेहद पसंद हैं। ऐसा माना जाता है कि इस फूल को घर में लगाने से सकारात्मक ऊर्जा आती है। लाल गुड़हल के फूल को आप भगवान बजरंगबली को भी अर्पित कर सकते हैं।

पारिजात

ऐसा माना जाता है कि पारिजात का फूल लगाने से घर में सुख-शांति बनी रहती है। यह फूल रात के समय में खिलते हैं सुबह पेड़ से टूटकर गिर जाते हैं। इस फूल की खुशबू से पूरा घर महक जाता है। सुबह-सुबह घर में भीनी-भीनी खुशबू से घर में सकारात्मक ऊर्जा बनी रहती है।

पारिजात के फूल को हरसिंगार के नाम से भी जाना जाता है। इस फूल की खुशबू से तनाव कम हो जाता है।



1 नहीं बल्कि 3 तरीकों से उगाया जा सकता है फ्रेश हरा धनिया

भारतीय घरों में खाने का जायका बढ़ाने के लिए हरा धनिया का इस्तेमाल किया जाता है। इसलिए हर रसोई में खाने में स्वाद और फ्लेवर के लिए फ्रेश धनिया गर्निश के लिए डाला जाता है। हालांकि, हर वक़्त फ्रेश धनिया लाना थोड़ा मुश्किल हो जाता है। लेकिन अगर हम आपसे कहें कि आप घर में ही फ्रेश धनिया उगा सकती हैं और वो भी 3 तरीकों से। जी हां, आपने सही पढ़ क्योंकि आज आप इस लेख में जानने वाले हैं घर पर आसानी से हरा धनिया कैसे उगाया जा सकता है

सीड्स से उगाएं हरा धनिया

आप अपने गार्डन में हरा धनिया बीज की सहायता से लगा सकती हैं। (सेहत के लिए वरदान है हरा धनिया, डाइट में जरूर करें शामिल) आपको किसी भी प्लांट की शॉप से बीज आसानी से मिल जाएंगे, जिसे आप किसी गमले, कंटेनर या फिर प्लास्टिक की बोतल में मिट्टी की मदद से पोषा लगा सकती हैं। हालांकि, पौधे की ग्रोथ तभी होगी जब आप इसका नियमित रूप से ध्यान रखेंगी जैसे-आप मिट्टी की नमी पर ध्यान दें, पौधे में नियमित रूप से पानी डालें।

कटिंग से उगाएं हरा धनिया

आप अपने किचन में भी हरा धनिया का पौधा लगा सकती हैं। इसके लिए, आपको बस धनिये के पत्ते की जरूरत होगी। हालांकि, इसके पौधे को सही तरीके से लगाने के लिए आपको मिट्टी सही तरीके से तैयार करनी होगी। साथ ही, आपको बाजार से गमला

खरीदकर लाना होगा और इसमें मिट्टी और खाद की मदद से कटिंग लगानी होगी। **हरा धनिया की जड़ का करें इस्तेमाल**

बहुत-सी महिलाएं हरा धनिये की जड़ को बेकार समझकर फेंक देते हैं। लेकिन क्या आपको पता है कि आप इसकी जड़ की सहायता से फ्रेश हरा धनिया भी उगा सकती हैं। कहा जाता है कि जड़ से उगाया गया पौधा बीज से ज्यादा अच्छा होता है। साथ ही, इसकी ग्रोथ भी अच्छी होती है। इसके लिए बस आपको मिट्टी में जड़ को बोना है और नियमित तौर पर पानी डालना है।

धनिया उगाने का आसान तरीका आवश्यक सामग्री- कंटेनर/गमला/ प्लास्टिक की बोतल, मिट्टी और खाद, कटिंग/बीज, पानी

विधि - पौधा लगाने के लिए सबसे पहले आपको गमले का चुनाव करना होगा। आप छोटा गमला सेलेक्ट कर सकती हैं। गमले का चुनाव करने के बाद आप इसमें मिट्टी डालें और अच्छी तरह से मिला लें। आप पौधे की मिट्टी तैयार करते समय 50% कोको-पीट और 50% वर्मीकम्पोस्ट का इस्तेमाल कर सकती हैं। मिट्टी तैयार करने के बाद आप इसमें पौधे की कटिंग, बीज को अच्छी तरह से लगा दें। कटिंग या बीज को लगाने के बाद आप पौधे में पानी डालें। बस आपका पौधा पूरी तरह से तैयार है। आप इसका नियमित रूप से ध्यान रखें और फ्रेश हरा धनिया आने का इंतज़ार करें।

बच्चों में रचनात्मकता को प्रोत्साहित करने के ये हैं बेस्ट तरीके

जुड़ाव के साथ बढ़ाने में मदद करती है। यह न केवल दुनिया को समझने और उससे जुड़ने का अवसर प्रदान करती है, बल्कि हमारे आसपास कई चीजों को समझने का भी एक अच्छा तरीका है। अपने बच्चों के साथ कोई भी डॉक्यूमेंट्रीज देखें तो उसकी चर्चा करें। उन्होंने इससे क्या सीखा और क्या समझा जानने की कोशिश करें।

उनके साथ विवज और पजल खेलें

विवज और पजल जैसे गेम बच्चों के दिमागी विकास के लिए महत्वपूर्ण हैं। पजल आपके बच्चे की समस्या-समाधान और क्रिटिकल थिंकिंग स्किल को विकसित करती है, जो बाद में जीवन में अन्य स्किल की महारत के लिए महत्वपूर्ण होती है। पजल्स बच्चों को पैटर्न रिकग्निशन, मेमोरी और फाइन मोटर स्किल दोनों में मदद कर सकती हैं। इसलिए उनके साथ पजल खेलें।

आउटडोर गेम खिलाएं

अपने बच्चों को घर में रहने के लिए ही न कहें। उन्हें बाहर निकालें और कई फन एक्टिविटीज में उन्हें शामिल होने के लिए कहें। बच्चों के साथ आउटडोर गेम्स खेलें। ऐसे में उनकी एक्सरसाइज भी होगी और वे कुछ नया भी सीखेंगे। आप उन्हें तैराकी करने के लिए प्रेरित कर सकते हैं। किसी गेम में जैसे क्रिकेट, फुटबॉल, बैडमिंटन आदि जैसे खेलों में शामिल होने के लिए कह सकते हैं।



फर्नीचर हर घर की जरूरत है। आमतौर पर, लोग अपने घर के लिए ऐसे फर्नीचर खरीदना पसंद करते हैं, जो देखने में आकर्षक भी हों और बेहद अफोर्डेबल भी हों। इस लिहाज से प्लास्टिक के फर्नीचर का चयन करना एक अच्छा ऑप्शन माना जाता है। इनमें आपको डिजाइन से लेकर साइज व कलर आदि में एक बिग वैरायटी देखने को मिलेगी।

यूं तो प्लास्टिक के फर्नीचर का इस्तेमाल करने में कोई समस्या नहीं है। लेकिन अगर आप प्लास्टिक के फर्नीचर को घर में जगह दे रही हैं, तो आपको वास्तु के कुछ नियमों का ध्यान रखना चाहिए। दरअसल, प्लास्टिक के फर्नीचर को अगर घर में सही तरह से ना रखा जाए तो यह कभी-कभी नकारात्मकता भी पैदा कर सकते हैं। तो चलिए आज इस लेख में आपको वास्तुशास्त्री डॉ. आनंद भारद्वाज बता रहे हैं कि घर में प्लास्टिक के फर्नीचर रखते समय किन वास्तु टिप्स का खयाल रखा जाना चाहिए

कलर का रखें ख्याल

जब आप प्लास्टिक के फर्नीचर का इस्तेमाल



घर में प्लास्टिक फर्नीचर रखते समय वास्तु के इन टिप्स का रखें ध्यान

कर रही हैं, तो आपको इस बात का विशेष रूप से ध्यान रखना चाहिए कि उस फर्नीचर का कलर कैसा है। आमतौर पर, प्लास्टिक के फर्नीचर के लिए क्रीम, व्हाइट, येलो और लाइट कलर का इस्तेमाल करना काफी अच्छा माना जाता है। कभी भी ब्लैक कलर के प्लास्टिक फर्नीचर को घर में नहीं रखना चाहिए। वही, आजकल ऐसे प्लास्टिक फर्नीचर भी अवैलेबल हैं, जिसमें एक साथ कई कलर मिक्स होते हैं, बेहतर होगा कि आप उसे भी अवॉयड करें।

जब करें स्टडी

आजकल बच्चों की स्टडी टेबल और चेयर प्लास्टिक की मिलती हैं, जिन्हें लोग खरीदना काफी पसंद करते हैं। लेकिन वास्तु के अनुसार बच्चों की

स्टडी टेबल और चेयर प्लास्टिक की नहीं होनी चाहिए। इससे बच्चे को पढ़ाई में ध्यान लगाने में समस्या पैदा हो सकती है। बेहतर होगा कि आप उनके लिए लकड़ी से बने फर्नीचर को प्राथमिकता दें। हालांकि, आप किसी कारणवश प्लास्टिक फर्नीचर का इस्तेमाल कर रहे हैं तो उस पर कोई कपड़ा बिछा दें।

जब करें पूजा

ऐसे कई लोग होते हैं, जिन्हें घटनों की समस्या होती है तो वह कुर्सी पर बैठकर पूजा करते हैं। कोशिश करें कि आप जिस कुर्सी का इस्तेमाल पूजा स्थान में कर रहे हैं, वह प्लास्टिक की ना हो। लेकिन फिर भी अगर आप ऐसा कर रहे हैं, तो कुर्सी पर कोई कपड़ा अवश्य बिछाएं। आपको यह विशेष रूप से ध्यान रखना है कि पूजा करते समय आप प्लास्टिक के डायरेक्ट संपर्क में ना रहें।

लॉन में करें इस्तेमाल

यूं तो प्लास्टिक के फर्नीचर को लोग घर

के किसी भी हिस्से में इस्तेमाल करते हैं। लेकिन आमतौर पर इस तरह के फर्नीचर को ऐसी जगह रखने की सलाह दी जाती है, जहां पर आप फुर्सत के पल बिताते हों और कोई बहुत आवश्यक या सेंसेटिव काम ना करते हों। इस लिहाज से प्लास्टिक फर्नीचर को घर के पीछे लॉन या फिर सामने खुले आंगन, व छत आदि पर रखना अधिक अच्छा माना जाता है।

प्लास्टिक का ना हो बेड

कुछ समय पहले तक बेड बनाने समय केवल लकड़ी का ही इस्तेमाल किया जाता था, लेकिन अब मार्केट में प्लास्टिक के बेड भी मिलने लगे हैं। हालांकि, कभी भी घर में प्लास्टिक के बेड का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए। बेड एक ऐसा फर्नीचर है, जिस पर आप एक लंबा समय बिताते हैं। ऐसे में प्लास्टिक की पैनर्जी आपको बॉडी की एनर्जी में नकारात्मक परिवर्तन ला सकती है। बेड के लिए हमेशा लकड़ी के इस्तेमाल को ही प्राथमिकता दें।



स्वस्थ बचपन और सशक्त मातृशक्ति, सशक्त उत्तराखंड की मजबूत नींव : धामी

सेवा, स्नेह और संवाद, हर आंगन तक पहुंचे सरकार का संकल्प, मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने खटीमा में ‘आंगन मिलन’ कार्यक्रम में किया प्रतिभाग

जयन्त प्रतिनिधि। देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सोमवार को खटीमा के आंगनबाड़ी केंद्र गोसीकुआ भुड़ाई में आयोजित ‘आंगन मिलन’ कार्यक्रम में प्रतिभाग किया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने बच्चों, गर्भवती महिलाओं, माताओं तथा आंगनबाड़ी एवं आशा कार्यकर्त्रियों से आत्मीय संवाद कर सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं और सेवाओं की जानकारी ली। मुख्यमंत्री ने कहा कि ‘आंगन मिलन’ कार्यक्रम सेवा, स्नेह और संवाद को प्रत्येक व्यक्ति और घर घर तक पहुंचाने का माध्यम है। प्रदेशभर में ऐसे कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि आंगनबाड़ी केंद्र केवल बच्चों को पोषण उपलब्ध कराने के केंद्र नहीं हैं, बल्कि बच्चों के स्वस्थ भविष्य, संस्कार, प्रारंभिक

शिक्षा और सर्वांगीण विकास की नींव तैयार करने वाले महत्वपूर्ण केंद्र हैं। मुख्यमंत्री ने आंगनबाड़ी केंद्र पहुंचकर नन्हे-मुन्हे बच्चों को दुलार किया और उनसे बातचीत कर उनके मन की बात जानी। उन्होंने बच्चों को अपने हाथों से भोजन परोसा और उनके साथ बैठकर आत्मीयता से समय बिताया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने गोदभराई रस्म में प्रतिभाग कर गर्भवती महिलाओं को आशीर्वाद दिया तथा 10 गर्भवती महिलाओं को पोष्टिक आहार सामग्री की किट वितरित की। उन्होंने 10 लाभार्थियों को महालक्ष्मी किट भी प्रदान की। मुख्यमंत्री ने 05 नन्हें बच्चों का अपने हाथों से अन्नप्राशन संस्कार कराया। इस अवसर पर उन्होंने 09 आंगनबाड़ी कार्यकर्त्रियों एवं 02 आशा कार्यकर्त्रियों को



सम्मानित भी किया। मुख्यमंत्री ने आंगनबाड़ी कार्यकर्त्रियों की सराहना करते हुए कहा कि वे बच्चों की देखभाल और पोषण के साथ-साथ सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं

माताओं और बच्चों का स्वास्थ्य एवं पोषण सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि माताओं और बच्चों का स्वास्थ्य एवं पोषण राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। महालक्ष्मी किट योजना, पोषण योजनाओं और मुख्यमंत्री महिला पोषण योजना सहित अनेक योजनाओं के माध्यम से माताओं एवं बच्चों को आवश्यक सहायता एवं पोषण उपलब्ध कराया जा रहा है। उन्होंने कहा कि दुर्गम एवं दूरस्थ क्षेत्रों की गर्भवती महिलाओं को सुरक्षित प्रसव की सुविधा उपलब्ध कराने के लिए बर्थ वेटिंग होम को व्यवस्था की जा रही है। आवश्यकता पड़ने पर गर्भवती महिलाओं को हेली एंबुलेंस की सुविधा भी उपलब्ध कराई जा रही है। जननी शिशु सुक्षा कार्यक्रम के माध्यम से गर्भवती महिलाओं एवं नवजात शिशुओं को आवश्यक स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। उन्होंने कहा कि प्रारंभिक बाल्यावस्था जीवन का अत्यंत

महत्वपूर्ण चरण है। इस दौरान बच्चों को पोष्टिक आहार, उचित देखभाल, प्रारंभिक शिक्षा और अच्छे संस्कार मिलें तो उनके स्वस्थ एवं सशक्त भविष्य की मजबूत नींव रखी जा सकती है। कोई बच्चा कुपोषित न रहे, सरकार का विकल्प रहित संकल्प मुख्यमंत्री ने कहा कि बच्चों के पोषण और स्वस्थ भविष्य की जिम्मेदारी केवल सरकार की नहीं, बल्कि पूरे समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। सरकार का प्रयास है कि आंगनबाड़ी केंद्र बच्चों के अच्छे पोषण, बेहतर स्वास्थ्य, प्रारंभिक शिक्षा, संस्कार एवं सर्वांगीण विकास के केंद्र बनें। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार का विकल्परहित संकल्प है कि उत्तराखंड में कोई भी बच्चा कुपोषित न रहे और प्रत्येक बच्चे को स्वस्थ, सुरक्षित एवं संस्कारयुक्त वातावरण मिले। उन्होंने कहा कि आंगनबाड़ी कार्यकर्ता सरकार की योजनाओं को धरातल तक पहुंचाने और बच्चों के भविष्य को संवराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

मैदानी क्षेत्रों में भी शानदार प्रदर्शन करेगी उक्रांद: सुरेंद्र कुकरेती



देहरादून। उत्तराखंड क्रॉति दल (उक्रांद) के केंद्रीय अध्यक्ष सुरेंद्र कुकरेती डीईवाला विधानसभा क्षेत्र में आयोजित विशिष्ट समारोह में पहुंचे। कार्यक्रम में कार्यकर्ताओं एवं समर्थकों ने उनका जोरदार स्वागत किया। इस दौरान सुरेंद्र कुकरेती ने कहा

कि उत्तराखंड क्रॉति दल आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर संगठन को मजबूत करने में जुटा है। उन्होंने कहा कि उक्रांद का जनाधार केवल पर्वतीय क्षेत्रों तक सीमित नहीं है, बल्कि मैदानी क्षेत्रों में भी पार्टी को मजबूत समर्थन मिल रहा है। उन्होंने दावा किया कि आगामी विधानसभा चुनाव में उत्तराखंड क्रॉति दल मैदानी क्षेत्रों में भी शानदार प्रदर्शन करेगी। उन्होंने कार्यकर्ताओं से संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने और जनता के बीच सन्नित्ता बढ़ाने का आह्वान किया। कुकरेती ने कहा कि राज्य के मूल मुद्दों, स्थानीय हितों और उत्तराखंड की पहचान को लेकर उक्रांद लगातार अपनी आवाज बुलंद करती रही है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से एकटु होकर पार्टी की नीतियों एवं विचारधारा को जनता तक पहुंचाने की अपील की। कार्यक्रम के दौरान बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता एवं समर्थक मौजूद रहे।

लोक संस्कृति की प्रस्तुति में ज्योतिर्मठ अव्वल

ज्योतिर्मठ। विद्या भारती से संबद्ध भारतीय शिक्षा समिति उत्तराखंड की ओर से आयोजित प्रांतीय सांस्कृतिक महोत्सव में चमोली संकुल के छात्र-छात्राओं ने शानदार प्रदर्शन किया। सस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज ज्योतिर्मठ की टीम ने सांस्कृतिक कार्यक्रम में प्रदेश में प्रथम स्थान हासिल किया। विद्यार्थियों ने गढ़वाल और कुमाऊं की लोक संस्कृति, परंपराओं, लोकगीतों और लोकजीवन पर आधारित मनमोहक प्रस्तुति दी। उनकी प्रस्तुति ने दर्शकों को भाव-विभोर कर दिया। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त करने पर विद्यालय की टीम को मंच पर पुरस्कृत कर सम्मानित किया गया। इस उपलब्धि पर विद्यालय परिवार ने छात्र-छात्राओं और मार्गदर्शक आचार्यों को बधाई दी।।

धार्मिक एवं सार्वजनिक स्थलों की स्वच्छता सभी की सामूहिक जिम्मेदारी

जयन्त प्रतिनिधि। देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सोमवार को ‘सेवा संकल्प अभियान’ के तहत गुरद्वारा श्री नानकमता साहिब परिसर में आयोजित स्वच्छता कार्यक्रम में प्रतिभाग कर श्रमदान किया। मुख्यमंत्री ने स्वयं साफ-सफाई कर लोगों को स्वच्छता को जीवनशैली का हिस्सा बनाने का संदेश दिया। मुख्यमंत्री ने इससे पहले गुरद्वारा श्री नानकमता साहिब में मत्था टेक प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की। गुरद्वारा प्रबंधक कमेटे की ओर से मुख्यमंत्री को सरोपा एवं स्मृति चिह्न भेंट किया गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि धार्मिक स्थलों की पवित्रता बनाए रखने के साथ ही अपने आसपास के परिवेश को स्वच्छ रखना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि उत्तराखण्ड धार्मिक एवं पर्यटन की दृष्टि से महत्वपूर्ण राज्य है और यहां देश-विदेश से बड़ी संख्या में श्रद्धालु एवं पर्यटक आते हैं। ऐसे में धार्मिक एवं पर्यटन स्थलों के साथ ही बस अड्डों, रेलवे स्टेशनों, अस्पतालों, सरकारी कार्यालयों और अन्य सार्वजनिक स्थानों पर स्वच्छता बनाए रखने के लिए निरंतर प्रयास किए जाने चाहिए। मुख्यमंत्री



ने कहा कि स्वच्छता किसी एक अभियान या कार्यक्रम तक सीमित नहीं रहनी चाहिए। इसे निरंतर जनभागीदारी के माध्यम से आगे बढ़ाते हुए प्रत्येक नागरिक को अपने आसपास के क्षेत्र को स्वच्छ रखने में योगदान देना चाहिए। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष अजय मौर्य, भाजपा जिलाध्यक्ष कमल जिंदल, नगर पंचायत अध्यक्ष प्रेम सिंह

टुसना, पूर्व विधायक प्रेम सिंह राणा, गुरद्वारा प्रबंधक कमेटे के अध्यक्ष सरदार जोगेंद्र सिंह, महासचिव सरदार अमरजीत सिंह बोपराय, जिलाधिकारी नितिन सिंह भटौरिया, एसएसपी अजय गणपति, मुख्य विकास अधिकारी दिवेश शास्त्री सहित गुरद्वारा प्रबंधक कमेटे के पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि एवं श्रद्धालु उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

मौसम बदलते ही बढ़ा वायरल, जिला अस्पताल में ओपीडी 600 पार

गोपेश्वर। मौसम में बदलाव के साथ जिला अस्पताल गोपेश्वर में वायरल फीवर के संक्रमण की संख्या बढ़ने लगी है। इन दिनों अस्पताल की ओपीडी 600 के पार पहुंच रही है। बड़ी संख्या में मरीज तेज बुखार, खांसी, जुकाम और पूरे शरीर में दर्द की शिकायत लेकर अस्पताल पहुंच रहे हैं। सुबह से ही पंजीकरण काउंटर और चिकित्सकों के कक्ष के बाहर मरीजों की भीड़ जुट रही है। नंदानगर निवासी कंचन और कुसुम ने बताया कि उन्हें पिछले चार दिनों से तेज बुखार है। दवा लेने के बाद भी बुखार पूरी तरह नहीं उतर रहा है। इसके साथ ही पूरे शरीर में दर्द और कमजोरी महसूस हो रही है। दोनों ने जिला अस्पताल पहुंचकर जांच और स्वास्थ्य परीक्षण कराया। नंदप्रयाग निवासी प्रदीप ने बताया कि तेज बुखार आने के बाद वह उपचार के लिए जिला अस्पताल पहुंचे हैं। अस्पताल में चिकित्सक से जांच कराने के बाद दवा दी गई है। जिला अस्पताल के सीएमएस डॉ. अनुराग धनिक ने बताया कि मौसम में बदलाव के कारण वायरल फीवर और सर्दी-जुकाम के मरीज बढ़े हैं। उन्होंने लोगों को पर्याप्त आराम करने, गुनगुना पानी पीने, पोष्टिक आहार लेने और साफ-सफाई का ध्यान रखने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि तेज बुखार लगातार बना रहने, सांस लेने में परेशानी या अत्यधिक कमजोरी होने पर चिकित्सक से तत्काल परामर्श लेना चाहिए।

ज्योतिर्मठ में 21 असुरक्षित सरकारी भवन होंगे ध्वस्त

ज्योतिर्मठ। भू-धंसाव से प्रभावित ज्योतिर्मठ नगर में असुरक्षित घोषित 21 सरकारी भवनों को जल्द ध्वस्त किया जाएगा। जर्जर और रहने योग्य नहीं होने के कारण प्रशासन ने इन भवनों को हटाने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। इन भवनों में तहसील परिसर के भवनों के साथ ही सरकारी अस्पताल की पुरानी बिल्डिंग भी शामिल है।उप जिलाधिकारी चंद्रशेखर वशिष्ठ ने बताया कि ज्योतिर्मठ में कई सरकारी भवन वर्ष 1990 के दशक में आए भूकंप से ही क्षतिग्रस्त हो गए थे। जनवरी 2023 में भू-धंसाव की स्थिति गंभीर होने के बाद सीबीआरआई सहित विभिन्न वैज्ञानिक संस्थाओं की टीमों ने इन भवनों का निरीक्षण किया था। जांच के बाद 21 सरकारी भवनों को असुरक्षित घोषित किया गया था। उन्होंने बताया कि असुरक्षित भवनों में रह रहे लोगों को नोटिस जारी किए जा चुके हैं। जल्द इन भवनों को ध्वस्त करने की कार्रवाई शुरू की जाएगी। ध्वस्तीकरण के बाद आवश्यकता के अनुसार सुरक्षित स्थानों पर नए सरकारी भवनों का निर्माण कराया जाएगा। प्रशासन की ओर से इससे पहले नगर क्षेत्र में 55 से अधिक असुरक्षित निजी भवनों को ध्वस्त कर प्रभावित भवन स्वामियों को मुआवजा दिया जा चुका है। वहीं दूसरे चरण में चिह्नित भवनों के मुआवजे के भुगतान की प्रक्रिया भी चल रही है।

बंदर के काटने का रिकॉर्ड रखेगा विभाग

गोपेश्वर। बंदर के काटने से घायल होने वाले लोगों को अब वन विभाग को इसकी सूचना देनी होगी। वन विभाग घायल व्यक्ति का रिकॉर्ड रखेगा और नियमानुसार मुआवजे का भुगतान किया जाएगा। यह बात मुख्य विकास अधिकारी डॉ. अभिषेक त्रिपाठी ने जिला सभागार में आयोजित जनता दरबार में कही। जनता दरबार में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे लोगों ने अपनी समस्याएं अधिकारियों के समक्ष रखीं। चमोली निवासी देवेंद्र गुसाईं ने क्षेत्र में बंदरों से हो रही परेशानी की शिकायत की। इस पर सीडीओ ने वन विभाग के अधिकारियों से बंदरों के काटने से घायल हुए लोगों की जानकारी ली। उन्होंने निर्देश दिए कि ऐसे सभी मामलों का रिकॉर्ड तैयार कर नियमानुसार पीडीटी को मुआवजा उपलब्ध कराया जाए। देवेंद्र ने मलतूर, नारायणगढ़ाड़ निवासी सुरेंद्र सिंह ने अगस्त 2025 की आपदा में क्षतिग्रस्त पेयजल लाइन की समस्या रखी। गंडासु, नंदानगर निवासी मनीषा देवी ने प्रधानमंत्री आवास की मांग की। ग्वालों, चमोली की इंद्र देवी ने कैंसर पीडित पति के उपचार के लिए आर्थिक सहायता और तेफना निवासी संगीता देवी ने स्वयंजगार की मांग रखी। गोपेश्वर निवासी प्रियंका देवी ने राशन कार्ड बनवाने की समस्या बताई।

रात—दिन खनन वाहनों की आवाजाही, उठे सवाल

कालसी। कालसी—चकराता मोटर मार्ग पर खनन सामग्री से लदे वाहनों की रात—दिन लगातार आवाजाही को लेकर स्थानीय लोगों ने संबंधित विभागों की निगरानी व्यवस्था पर सवाल उठाए हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि देर रात तक भी खनन सामग्री से भरे वाहन मार्ग पर आते—जाते दिखाई देते हैं। ऐसे में खनन सामग्री के परिवहन और वाहनों की जांच व्यवस्था को लेकर सवाल खड़े होना स्वाभाविक है। स्थानीय लोगों के अनुसार, यदि वाहनों में परिवहन की जा रही खनन सामग्री नियमानुसार है और वाहन चालकों के पास आवश्यक अनुमति, रक्त्रा, रॉयल्टी तथा अन्य दस्तावेज मौजूद हैं, तो संबंधित विभागों को जांच व्यवस्था के संबंध में स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए। वहीं, यदि किसी वाहन द्वारा नियमों का उल्लंघन किया जा रहा है तो वन विभाग के बैरियर से ऐसे वाहनों की आवाजाही कैसे हो रही है, यह जांच का विषय है।

बैरियर पर जांच व्यवस्था को लेकर सवाल स्थानीय लोगों ने विशेष रूप से वन विभाग के बैरियर पर होने वाली निगरानी और चेकिंग व्यवस्था को लेकर सवाल उठाए हैं। उनका कहना है कि रात के समय खनन सामग्री लेकर गुजरने वाले वाहनों की नियमित जांच की जा रही है या नहीं, इसकी जानकारी सामने आनी चाहिए। लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि कालसी—चकराता



मोटर मार्ग पर संचालित खनन वाहनों के परमिट, रक्त्रा, रॉयल्टी, वाहन दस्तावेज और खनन सामग्री की नियमानुसार जांच कवाई जाए। साथ ही यह भी स्पष्ट किया जाए कि संबंधित वाहनों को खनन सामग्री के परिवहन की वैध

अनुमति प्राप्त है अथवा नहीं।

निष्पक्ष जांच की मांग स्थानीय लोगों ने पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की है। उनका कहना है कि जांच में यदि किसी प्रकार की अनियमितता अथवा नियमों का उल्लंघन सामने आता है तो संबंधित वाहन संचालकों और दोषी पाए जाने वाले अन्य लोगों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जानी चाहिए।

वहीं, मामले में वन विभाग, पुलिस और प्रशासन की ओर से आधिकारिक प्रतिनिष्ठा सामने आना बाकी है। अब देखना होगा कि रात—दिन खनन वाहनों की आवाजाही को लेकर उठ रहे सवालों पर संबंधित विभाग क्या कदम उठाते हैं।

पुजाल्डी गांव में शादी—ब्याह में शराब पीने पर रहेगी पाबंदी

चंबा (टिहरी)। ग्राम पंचायत पुजाल्डी की बैठक में गांव को नशा मुक्त बनाने का निर्णय लिया गया। बैठक में गांव के होने वाले सार्वजनिक और मांगलिक कार्यक्रमों में शराब पर पाबंदी लगाने का प्रस्ताव पारित किया गया। पंचायत के नियम का उल्लंघन करने वाले परिवार से 2100 रुपये का जुर्माना वसूला जाएगा।सोमवार को ग्राम प्रधान मता देवी की अध्यक्षता में हुई ग्राम पंचायत की बैठक में नशामुक्त पंचायत बनाने का संकल्प लिया गया। ग्राम प्रधान ने कहा कि गांव में होने वाले आयोजनों को नशे से दूर रखकर सामाजिक माहौल को बेहतर बनाने का प्रयास किया जाएगा।

पटेलनगर में सार्वजनिक स्थान पर हड़दंग करने वाले सात गिरफ्तार



देहरादून, पटेलनगर क्षेत्र के आईएसबीटी में दो पक्षों के बीच हुए विवाद के बाद सार्वजनिक स्थान पर लड़ाई—झगड़ा और हड़दंग करने के मामले में दून पुलिस ने सात लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, सभी के खिलाफ धारा 170 इटर के तहत कार्रवाई की

गई। पुलिस को 4 अक्टूबर 2026 को सूचना मिली थी कि आईएसबीटी क्षेत्र में दो पक्षों के बीच विवाद चल रहा है और दोनों पक्ष एक—दूसरे के साथ मारपीट करते हुए सार्वजनिक स्थान पर हड़दंग कर रहे हैं। सूचना मिलते ही कोतवाली पटेलनगर से पुलिस बल तत्काल मौके पर पहुंचा।

पुलिस के मुताबिक, मौके पर पहुंची टीम ने विवाद कर रहे लोगों को समझाने का प्रयास किया, लेकिन वे पुलिस की समझाइश के बावजूद शांत नहीं हुए और आपस में मारपीट करने पर उतारू हो गए। स्थिति को देखते हुए सार्वजनिक शांति को बनाए रखने के लिए सार्वजनिक स्थान पर लड़ाई—झगड़ा और हड़दंग करने के मामले में दून पुलिस ने सात लोगों को गिरफ्तार कर लिया।

जयन्त

संस्थापक : नरेन्द्र उनियाल

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं सम्पादक नागेंद्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से मुद्रित तथा बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से प्रकाशित।

सभी विवादों का न्याय क्षेत्र कोटद्वार, (गढ़वाल) उत्तराखण्ड होगा।

CONT. 9412081969

PRGI NO. 35469/79



शिकायतों पर प्रशासन ने विशेष गंभीरता दिखाई। 73 वर्षीय बुजुर्ग मदनलाल भल्ल ने आरोप लगाया कि उन्होंने अपने पुत्र को कारोबार स्थापित करने में मदद की, लेकिन कारोबार सफल होने के बाद पुत्र ने बुद्धावस्था में उन्हें बेसहारा छोड़ दिया। शिकायत पर प्रशासन ने तत्काल सज्जन लेते हुए भरण—पोषण अधिनियम के तहत वाद दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी। इसी प्रकार 74 वर्षीय विधवा रेणुका

में उन्हें बेसहारा छोड़ दिया। शिकायत पर प्रशासन ने तत्काल सज्जन लेते हुए भरण—पोषण अधिनियम के तहत वाद दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी। इसी प्रकार 74 वर्षीय विधवा रेणुका



एलए 2028 ओलंपिक का टिकट मिलने पर बोले मनप्रीत सिंह

अब अपनी कमजोरियों पर काम करेंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय हॉकी टीम के अनुभवी मिडफील्डर मनप्रीत सिंह ने कहा है कि एशियन गेम्स में गोल्ड मेडल जीतकर लॉस एंजेलिस ओलंपिक 2028 के लिए सीधे क्वालीफाई करना टीम के लिए बेहद अहम है। भारत ने शनिवार को फाइनल में मलेशिया को 5-1 से हराकर लगातार दूसरी बार एशियन गेम्स पुरुष हॉकी का गोल्ड मेडल जीता। इस जीत के साथ भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने एलए 2028 ओलंपिक के लिए सीधे क्वालीफाई कर लिया है। अब टीम को ओलंपिक क्वालीफायर में खेलने की जरूरत नहीं होगी, जिससे खिलाड़ियों और टीम मैनेजमेंट को तैयारी के लिए अतिरिक्त समय मिलेगा।

मनप्रीत सिंह बोले- अब अपनी कमजोरियों पर काम कर सकते हैं

मनप्रीत सिंह ने कहा कि सीधे ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करने का सबसे बड़ा फायदा यह होगा कि टीम को क्वालीफायर की तैयारी में समय नहीं लगाना पड़ेगा। इस दौरान भारत अपनी कमियों पर काम करते हुए लॉस एंजेलिस ओलंपिक के लिए बेहतर तैयारी कर सकता है। मनप्रीत ने कहा, एशियन गेम्स हमारे लिए एक महत्वपूर्ण टूर्नामेंट था। हमने एलए ओलंपिक के लिए सीधे क्वालीफाई कर लिया है। इसलिए हमें क्वालीफायर राउंड नहीं खेलना पड़ेगा और हम खुद पर काम कर सकते हैं और जिन चीजों पर काम करने की जरूरत है, उन पर ध्यान दे सकते हैं। कुल मिलाकर एशियन गेम्स में हमारा प्रदर्शन बहुत अच्छा रहा।

मनप्रीत ने रचा खास रिकॉर्ड - मलेशिया के खिलाफ गोल्ड जीतने के साथ मनप्रीत सिंह ने भी भारतीय हॉकी में एक खास उपलब्धि हासिल की। वह तीन एशियन गेम्स गोल्ड मेडल जीतने वाले इकलौते भारतीय हॉकी खिलाड़ी बन गए हैं। अनुभवी मिडफील्डर के लिए यह उपलब्धि इसलिए भी खास है क्योंकि वह लंबे समय से भारतीय हॉकी टीम के अहम सदस्य रहे हैं। एशियन गेम्स में लगातार अच्छा प्रदर्शन करने के साथ उनका अनुभव टीम को बड़े टूर्नामेंटों में काफी मदद देता रहा है।

वर्ल्ड कप की खराब याद के बाद मिला बड़ा बूस्ट - एशियन गेम्स गोल्ड और ओलंपिक टिकट भारत के लिए इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि हाल ही में टीम का वर्ल्ड कप अभियान उम्मीद के मुताबिक नहीं रहा था। अगस्त में हुए वर्ल्ड कप में भारतीय पुरुष टीम आठवें स्थान पर रही थी और सेमीफाइनल में जगह बनाने में नाकाम रही थी। ऐसे में एशियन गेम्स में गोल्ड मेडल जीतना भारतीय टीम के लिए बड़ा मनोबल बढ़ाने वाला परिणाम है। इस जीत से टीम को आगे की तैयारियों के लिए नई ऊर्जा मिलेगी।

2024 पेरिस ओलंपिक के लिए भी एशियन गेम्स से मिला था टिकट

भारत ने पेरिस ओलंपिक 2024 के लिए भी एशियन गेम्स के जरिए सीधे क्वालीफाई किया था। 2023 में हांगझोउ एशियन गेम्स में पुरुष हॉकी टीम ने गोल्ड मेडल जीता था, जिसके बाद उसे पेरिस ओलंपिक का सीधा टिकट मिला था। उस समय भी भारत को ओलंपिक से पहले तैयारी के लिए अच्छा समय मिला था। भारतीय टीम ने पेरिस ओलंपिक में इस मौके का फायदा उठाया और लगातार दूसरी बार ओलंपिक में ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम किया। इससे पहले भारत ने टोक्यो ओलंपिक 2021 में भी हॉकी में तीसरे स्थान पर रहते हुए ब्रॉन्ज जीता था।

संक्षिप्त समाचार

वर्ल्ड कप 2027

रोहित शर्मा से लेकर मिचेल स्टार्क तक, इन 5 दिग्गजों का होगा आखिरी वर्ल्ड कप



नई दिल्ली (एजेंसी)। आईसीसी वनडे वर्ल्ड कप 2027 क्रिकेट के एक सुनहरे दौर के अंत का गवाह बन सकता है। दक्षिण अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया में होने वाले इस टूर्नामेंट में कई दिग्गज आखिरी बार विश्व कप खेलते नजर आ सकते हैं। भारत के विराट कोहली और रोहित शर्मा समेत कुल पांच बड़े नाम इस सूची में शामिल हैं। विराट कोहली की आखिरी विश्व कप दहाड़ - विराट कोहली के लिए 2027 वर्ल्ड कप

रोहित शर्मा भी आखिरी बार दिखेंगे?

रोहित शर्मा के लिए भी 2027 का वर्ल्ड कप एक भावुक विदाई का मंच बन सकता है। रोहित ने 291 वनडे में 12,120 रन बनाए हैं और उनके नाम सात वर्ल्ड कप शतक हैं, जो विश्व कप इतिहास में सबसे ज्यादा हैं। तीन दोहरे शतक लगाने वाले रोहित के लिए घरेलू युवाओं की बढ़ती चुनौती के बीच यह उनका आखिरी विश्व कप अभियान हो सकता है।

वनडे क्रिकेट का आखिरी बड़ा मंच माना जा रहा है। कोहली ने अब तक 317 वनडे में 15,109 रन बनाए हैं और उनके नाम 55 शतक हैं। 2023 वर्ल्ड कप में 765 रन बनाकर उन्होंने एक टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड भी कायम किया था। मिचेल स्टार्क की नजर ऐतिहासिक रिकॉर्ड पर - ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क भी 2027 में अपना आखिरी वनडे वर्ल्ड कप खेल सकते हैं। स्टार्क ने विश्व कप में 28 पारियों में 65 विकेट झटकें हैं और इस सूची में वह र्लेन मैक्ग्राव मुथैया मुरलीधरन के बाद तीसरे स्थान पर हैं। 2027 में उनके पास वर्ल्ड कप इतिहास का सबसे सफल गेंदबाज बनने का मौका भी होगा।

जापान ओपन

कार्लोस अल्काराज ने फाइनल में बनाई जगह

टोक्यो (एजेंसी)।

डिफेंडिंग चैंपियन कार्लोस अल्काराज ने जापान ओपन के फाइनल में जगह बना ली है। टोक्यो में खेले गए सेमीफाइनल में दुनिया के नंबर-3 खिलाड़ी ने स्पेन के ही जाउमे मुनार को 5-7, 6-3, 6-1 से हराया।



पहले सेट में मुनार का पलड़ा भारी

मुनार ने मुकाबले की शुरुआत में शानदार प्रदर्शन किया और अल्काराज को कड़ी चुनौती दी। अल्काराज ने पहले सेट में कई गलतियों की ओर चार डबल फॉल्ट भी किए, जिसका फायदा उठाते हुए मुनार ने 7-5 से सेट अपने नाम कर लिया।

दूसरे सेट में अल्काराज की वापसी

दूसरे सेट में अल्काराज ने अपने खेल की रफ्तार बढ़ाई और मुनार पर लगातार दबाव बनाया। उन्होंने सटीक फोरहैंड, शानदार वॉली और बेहतरीन ड्रॉप शॉट्स का इस्तेमाल करते हुए तीन बार मुनार की सर्विस तोड़ी और सेट 6-3 से जीत लिया।

निर्णायक सेट में किया दबदबा

तीसरे सेट में अल्काराज ने पूरी तरह मुकाबले पर नियंत्रण हासिल कर लिया। उन्होंने आक्रामक सर्विस और तेज रिटर्न के जरिए मुनार को बेसलाइन के पीछे रखा और 6-1 से सेट जीतकर मैच अपने नाम कर लिया।

2 घंटे 31 मिनट चला मुकाबला

अल्काराज और मुनार के बीच यह रोमांचक सेमीफाइनल मुकाबला 2 घंटे 31 मिनट तक चला। अल्काराज ने बड़े सर्व और आक्रामक रिटर्न के साथ-साथ शानदार ड्रॉप शॉट्स से एरिए के कोलोसियम में मौजूद दर्शकों का भी मनोरंजन किया।

फाइनल में चेक गणराज्य के

जिरी लेहेका या मोनाको के

वैलेंटिन वाशरो से होगा सामना

अब फाइनल में अल्काराज का सामना चेक गणराज्य के जिरी लेहेका या मोनाको के वैलेंटिन वाशरो से होगा। दोनों खिलाड़ियों के बीच दूसरा सेमीफाइनल सोमवार को खेला जाना है। अल्काराज की नजर लगातार दूसरी बार जापान ओपन का खिताब जीतने पर होगी।



पहली पारी में जम्मू-कश्मीर ने बनाई

बढ़त - मुकाबले में जम्मू-कश्मीर ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया और रेस्ट आफ इंडिया को 237 रन पर रोक दिया। इसके बाद जेके ने अपनी पहली पारी में 278 रन बनाए और 41 रन की अहम बढ़त हासिल की।

● स्मरण रविचंद्रन ने पलटा मैच - 41 रन से पिछड़ने के बाद रेस्ट आफ इंडिया ने दूसरी पारी में शानदार वापसी की। ओपनर सनत सांगवान ने 55 रन बनाए, जबकि स्मरण रविचंद्रन ने 153 गेंदों पर 135 रन की शानदार पारी खेली। रेस्ट आफ इंडिया ने दूसरी पारी में 319 रन बनाकर जम्मू-कश्मीर के सामने 279 रन का लक्ष्य रखा।

श्रीनगर (एजेंसी)। ऋषभ पंत की कप्तानी वाली रेस्ट आफ इंडिया ने ईरानी कप 2026 का खिताब अपने नाम कर लिया है। श्रीनगर के शेर-ए-कश्मीर स्टेडियम में टीम ने रणजी ट्रॉफी चैंपियन जम्मू-कश्मीर को 167 रन से हराया। 279 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए जेके की पूरी टीम महज 111 रन पर सिमट गई।

मुकेश कुमार ने मचाई तबाही

लक्ष्य का पीछा करते हुए जम्मू-कश्मीर एक समय 89/3 के स्कोर पर मनबूत स्थिति में नजर आ रहा था। इसके बाद मुकेश कुमार ने घातक गेंदबाजी करते हुए 6 विकेट झटक लिए और जेके की बल्लेबाजी को तहस-नहस कर दिया। मुकेश ने 8.4 ओवर में 33 रन देकर 6 विकेट लिए, जिससे जम्मू-कश्मीर की पारी 111 रन पर खत्म हो गई।

आकाश दीप का भी दमदार प्रदर्शन

आकाश दीप ने भी दोनों पारियों में शानदार गेंदबाजी कर रेस्ट आफ इंडिया की जीत में अहम योगदान दिया। उन्होंने पहली पारी में 3 विकेट लेने के बाद दूसरी पारी में 3/25 का शानदार स्पेल किया। वहीं मुकेश चौधरी ने पहली पारी में 5 विकेट लेकर छु-च को बड़ी बढ़त लेने से रोक दिया।

● इंदौर में 11 अक्टूबर को भारत से टी-20 मुकाबला; डिजाइनेशन से बचने शाकाहारी भोजन पर जोर

● रिकवरी के लिए आइसबाथ टब की व्यवस्था - मैच और अभ्यास सत्र के बाद खिलाड़ियों की रिकवरी के लिए आइसबाथ टब की व्यवस्था भी की जा रही है। टी-20 में लगातार शारीरिक गतिविधि के चलते खिलाड़ियों पर पड़ने वाले दबाव को देखते हुए रिकवरी सुविधाओं पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। ● टीम इंडिया रेडिसन, वेस्टइंडीज मैरियट में रुकेगी - भारतीय टीम के लिए रेडिसन होटल और वेस्टइंडीज टीम के लिए मैरियट होटल में ठहरने की व्यवस्था की गई है। दोनों टीमों के इंदौर पहुंचने से पहले होटल, अभ्यास, परिवहन और सुरक्षा से जुड़ी तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है।

● बारिश के बाद गर्मी बढ़ी, हाइड्रेशन पर फोकस - इंदौर में बारिश के बाद अब तापमान बढ़ने के साथ गर्मी और ड्राई हीट का असर दिखाई दे रहा है। ऐसे में मैदान पर लगातार दौड़ने, फील्डिंग और बल्लेबाजी - गेंदबाजी करने वाले खिलाड़ियों के लिए हाइड्रेशन अहम है। टीम प्रबंधन चाहता है कि खिलाड़ियों को जरूरत के समय नारियल पानी आसानी से उपलब्ध हो।



● वेजेटरियन मेन्यू पर भी ज्यादा जोर - दोनों टीमों के खिलाड़ियों की पसंद और जरूरत के अनुसार भोजन की व्यवस्था की जा रही है। डाइट में वेजेटरियन विकल्प ज्यादा रखे गए हैं। खिलाड़ियों की फिटनेस और मैच के बाद रिकवरी को ध्यान में रखते हुए खान-पान तैयार किया जाएगा।

वेस्टइंडीज टीम ने मांगा एक्स्ट्रा नारियल पानी

इंदौर (एजेंसी)। इंदौर के होलकर स्टेडियम में 11 अक्टूबर को भारत और वेस्टइंडीज के बीच होने वाले टी-20 मुकाबले की तैयारियां तेज हो गई हैं। मैच से पहले दोनों टीमों के खिलाड़ियों की डाइट, हाइड्रेशन और रिकवरी का खास ध्यान रखा जा रहा है। इसी बीच वेस्टइंडीज टीम ने इंदौर में नारियल पानी का एक्स्ट्रा स्टॉक रखने की विशेष मांग की है। वेस्टइंडीज टीम के मैनेजर ने मध्य प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन से फोन पर एक्स्ट्रा नारियल पानी उपलब्ध रखने का आग्रह किया है। एमपीसीए के सीईओ रोहित पंडित के मुताबिक, खिलाड़ियों के लिए सामान्य तौर पर नारियल पानी की व्यवस्था रहती है, लेकिन इस बार वेस्टइंडीज टीम ने इसकी अतिरिक्त उपलब्धता सुनिश्चित करने को कहा है।



मुंबई (एजेंसी)। पूर्व भारतीय टी-20 कप्तान सूर्यकुमार यादव 2026-27 रणजी ट्रॉफी में मुंबई के लिए खेलने के लिए उपलब्ध हैं। वे मुंबई के पहले एलीट गुरु ष मेच में चंडीगढ़ के खिलाफ खेल सकते हैं। मुंबई और चंडीगढ़ के बीच यह मुकाबला 11 अक्टूबर से मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में होगा। सूर्यकुमार ने आखिरी प्रतिस्पर्धी मैच आईपीएल 2026 में खेला था। वहीं, पूर्व मुंबई कप्तान शार्दूल ठाकुर हाथ की चोट के कारण शुरुआती कुछ मैचों में नहीं खेल पाएंगे। उनकी गैरमौजूदगी में तुषार देशपांडे मुंबई के तेज गेंदबाजी अटैक की अगुआई करेंगे।

पिछले साल खेला था आखिरी रणजी मैच

- सूर्यकुमार ने फरवरी 2025 में नागपुर में विदर्भ के खिलाफ मुंबई के लिए आखिरी रणजी मैच खेला था। उपलब्ध जानकारी के मुताबिक, उन्होंने घरेलू रेड-बॉल टूर्नामेंट के लिए अपनी उपलब्धता की पुष्टि कर दी है।
- मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन के एक सूत्र ने टाइम्स ऑफ इंडिया से कहा, सूर्या ने एमसीए अध्यक्ष अजिंक्य नाइक को आगामी रणजी ट्रॉफी के लिए अपनी उपलब्धता की पुष्टि की है।
- सूर्यकुमार ने अब तक 86 फर्स्ट-क्लास मैच खेले हैं। उनके नाम 5,758 रन हैं। उन्होंने 144 पारियों में 14 शतक और 30 अर्धशतक लगाए हैं। उनका बल्लेबाजी औसत 42.33 है।